



कुंभ से पहले नासिक में बना 'शंखनाद' का वर्ल्ड रिकॉर्ड

517 लोग शामिल हुए, पिछला रिकॉर्ड 303 लोगों का था



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में रविवार को 517 श्रद्धालुओं ने एक साथ शंख बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह कार्यक्रम गोदावरी नदी के किनारे हुआ। यह आयोजन सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह से पहले किया गया। प्रतिभागियों ने पांच मिनट 30 सेकंड तक शंख बजाए। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम के लिए चेन्नई से खास तौर पर प्रमाणित शंख मंगाए गए थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के सैनियर जज ऋषि नाथ ने देवमामलेदार यशवंत महाराज पटंगण में रिकॉर्ड की घोषणा की। इससे पहले एक साथ शंख बजाने का रिकॉर्ड 2019 में अमेरिका के न्यू जर्सी में 303 लोगों के नाम था।

ध्वजारोहण में शामिल होंगी राष्ट्रपति मूर्ति

कमिश्नर शेखर सिंह ने कहा कि इस पहल से परंपरा को कुंभ मेले की शुभ शुरुआत से जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को ध्वजारोहण समारोह के समय 251 प्रतिभागी शंख बजाएंगे। कुंभ मेले का ध्वजारोहण समारोह 31 अक्टूबर को दोपहर 12.02 बजे रामकुंड में होगा। इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। इसी कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र भी सौंपा जाएगा। 20 महीने तक चलने वाले कुंभ मेले के 44 मुहूर्त नासिक में और 53 मुहूर्त त्र्यंबकेश्वर में सन के हैं।

● कांग्रेस का बड़ा दावा, सेना बोली-घुसपैठ के दावे वाला वीडियो पूरी तरह फर्जी

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोंसिराम सिरम ने दावा किया है कि अपर सुबनसिरी जिले में चीनी सैनिक भारतीय सीमा के 40-50 किलोमीटर अंदर तक घुस आए हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर कई जगह भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने हैं, जिससे सैनिकों की गश्त और स्थानीय लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए सिरम ने जुलाई के आखिरी हफ्ते में सैनिकों के बीच हथपाई और लाठी चलने की घटनाएं होने का दावा किया। दूसरी ओर, भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी कब्जे के दावे को लेकर वायरल एक वीडियो को फर्जी बताया। आर्मी ने कहा कि वीडियो अक्टूबर 2023 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के फुटेज से छेड़छाड़ करके बनाया गया है।



कांग्रेस ने केंद्र से निष्पक्ष जांच की मांग की

सिरम ने घुसपैठ के दावों को खारिज करने वाले राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय रक्षा मंत्री के बयानों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायतों को अफवाह बताकर खारिज करने के बजाय उनकी जांच होनी चाहिए। सिरम के मुताबिक, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि उन्हें सीमा की स्थिति के बारे में बताया जा सके, लेकिन अनुमति नहीं मिली। उन्होंने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय से सीमा का वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

सीमावर्ती इलाकों का दौरा करने के बाद कांग्रेस ने लगाए आरोप

बोंसिराम सिरम के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने 26 से 29 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। इसमें कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व गृह मंत्री तांगा बयालिंग और अपर सुबनसिरी के सांसद जाराडुम क्री भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ईटानगर से नाचो होते हुए लाइमकिंग और तक्षिंग तक पहुंचा। यहां सदस्यों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। सिरम ने दौरे के बाद कहा कि सीमा पर चीनी सैनिकों की गतिविधियों की जांच होनी चाहिए। सिरम के मुताबिक, स्थानीय लोग अब उन इलाकों में पहले की तरह नहीं जा पा रहे हैं, जहां वे याक चराने, जंगलों से जरूरी चीजें जुटाने और शिकार के लिए जाते थे।

सेना ने घुसपैठ के वायरल वीडियो को फर्जी बताया

वहीं भारतीय सेना के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया के नाम से दावा किया गया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के असाफिला, लॉन्गज और तक्षिंग सॉफ्टिल पर कब्जा कर लिया है और भारतीय सैनिकों को जरूरी सामान नहीं मिल रहा है। सेना ने कहा कि वीडियो 27 अक्टूबर 2023 को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस का एडिटेड वर्जन है। उस समय मेजर जनरल गिरीश कालिया ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिशों की जानकारी दी थी।

संक्षिप्त

समाचार

भगवान वाल्मीकि ने हमें दुनिया का पहला महाकाव्य दिया

● सीएम योगी ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर सपा-कांग्रेस को घेरा

कानपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिदूर में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाना बनाया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर अयोध्या का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अयोध्या का विकास नहीं किया। अयोध्या को गंदा बनाकर रखा। उन्होंने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। उन्होंने कहा कि, भगवान राम और

निषाद राज की मित्रता जब तक रहेगी, कांग्रेस और सपा के राज का स्वाहा होना तय है। सीएम योगी ने कहा कि, हम अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हैं। हम यह मानकर चलते हैं कि इस धरती के प्रति, सनातन धर्म के प्रति, भारत भूमि के प्रति यदि किसी का योगदान है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व बनता है। उस दायित्व का निर्वहन करने के लिए हम लोग निरंतर कार्य करते हैं। भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। तो हम लोगों ने भी प्रयास किया कि महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा को व्यक्त करने का माध्यम क्या बनेगा।

‘दिमागी नक्सल’ और ‘टुकड़े-टुकड़े गैंग’ से दूर रहें

● बंगाल सीएम शुभेंद्रु बोले- कॉर्पोरेशनों को पनपने न दें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉर्पोरेशनों को पनपने न दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हों। सुवेंदु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। दो दिन में यह दूसरी बार है जब सुवेंदु ने कॉर्पोरेशन पार्टी पर निशाना साधा। रविवार को भी रामनगर में एक कार्यक्रम में सुवेंदु ने कहा था कॉर्पोरेशन, खटमल जैसी बुराइयों को कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रहे हैं। इन्हें कोटाशाक स्प्रे 'हिट' से ही खत्म किया जा सकता है। ममता सरकार ने तृष्ठीकरण की राजनीति की। ममता को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को 'ग्रेटर बांग्लादेश' में बदलने की योजना बना रही थी। 34 साल तक शासन करने वाले वामपंथी और 15 साल तक सत्ता में रही टीएमसी सरकार ने लोगों की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की।

अंकिता भंडारी प्रकरण: उर्मिला सनावर जेल में, सुरेश राठौर की मेडिकल रिपोर्ट पेश

देहरादून/हरिद्वार। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े कथित वीआईपी प्रकरण में एक बार फिर कानूनी और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मामलों में चर्चा में आई उर्मिला सनावर हरिद्वार में दर्ज एक मुकदमे में गिरफ्तारी के बाद जेल में हैं। वहीं, पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर की मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश किए जाने के बाद नाकी और पॉलीग्राफ टेस्ट से संबंधित कार्यवाही की सुनवाई आगे के लिए टल गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उर्मिला सनावर के खिलाफ अलग-अलग मामलों में कुल 11 मुकदमों का उल्लेख किया जा रहा है। हालांकि, इन मामलों में लगाए गए आरोपों की सत्यता का निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगा।

मेडिकल रिपोर्ट पेश, टेस्ट पर फैसले का इंतजार
पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर 23 अक्टूबर को देहरादून स्थित सीबीआई अदालत में पेश हुए थे। कथित वीआईपी से संबंधित वायरल ऑडियो की जांच के सिलसिले में दोनों को नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई थी। इसी प्रकरण में नाकी और पॉलीग्राफ टेस्ट को



लेकर कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

सोमवार को सुरेश राठौर की ओर से मेडिकल रिपोर्ट
अदालत में प्रस्तुत किए जाने के बाद मामले की सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकी। ऐसे में दोनों के टेस्ट को लेकर अगली कानूनी कार्रवाई और अदालत के रख पर नजर बनी हुई है। इससे पहले उर्मिला सनावर ने कथित तौर पर कहा था कि यदि

उनका नाकी को टेस्ट उचित कानूनी प्रक्रिया और कैमरों की निगरानी में कराया जाता है, तो अंकिता भंडारी प्रकरण से जुड़े कई पहलुओं पर जानकारी सामने आ सकती है। उन्होंने जांच से पीछे नहीं हटने की बात भी कही थी। दूसरी ओर, सुरेश राठौर ने भी जांच में सहयोग करने और टेस्ट के लिए तैयार रहने की बात कही थी। इन बयानों के बावजूद टेस्ट और जांच से जुड़े दावों की पुष्टि संबंधित साक्ष्यों एवं

कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही हो सकेगी।

सहानुभूति से गिरफ्तारी, शिकायत के बाद दर्ज हुआ मुकदमा
हरिद्वार पुलिस के अनुसार, उर्मिला सनावर को 25 अक्टूबर को सहानुभूति से गोविंद नगर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था। वह कार्रवाई पूर्व विधायक सुरेश

राठौर की बेटी की शिकायत के बाद की गई।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि उर्मिला सनावर सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायतकर्ता और उनके परिवार के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक तथा मानहानिकारक टिप्पणियां कर रही थीं, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने यह आरोप भी लगाया कि क्वार्टरमास्टर ऑफ द दौरान रविदास धाम की संपत्ति अपने नाम करने और पांच करोड़ रुपये देने की मांग की गई। शिकायत के मुताबिक, मांग पूरी नहीं होने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर रानीपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ स्त्री अश्लेष रूप (प्रतिषेध) अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, मामले में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। इन आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष जांच और अदालत की कार्यवाही के बाद ही सामने आएगा।

आज से विधानसभा सत्र, सड़क मार्ग से भराड़ीसैण पहुंचे सीएम



देहरादून। विधानसभा सत्र के लिए धामी सरकार ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण पहुंच गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी सहित अन्य मंत्री व विधायक सड़क मार्ग पर भराड़ीसैण पहुंचे। विधानसभा परिसर के चारों तरफ सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। आज से शुरू हो रहे दो दिवसीय विधानसभा सत्र के लिए सरकार गैरसैण पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री धामी रुद्रप्रयाग जिले के गुलाब राय हेलिकॉप्टर से आए और यहां से सड़क मार्ग से भराड़ीसैण पहुंचे। जगह-जगह पर मुख्यमंत्री का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। देहरादून से सरकार के गैरसैण आने का एहसास नेशनल हाईवे पर वाहनों के काफिला से लग रहा था। पूरे नेशनल हाईवे पर हुटर बजाते हुई गाड़ियां गैरसैण की ओर से जा रही थी। शाम को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने भराड़ीसैण पहुंच कर विधानसभा परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए। उन्होंने कहा, सरकार का यह आखिरी विधानसभा सत्र है। इस बार भी भराड़ीसैण में सत्र अच्छा रहेगा। सभी सदस्य अपनी बात सदन में रखेंगे और सरकार के माध्यम से जवाब दिया जाएगा।

‘फाइटर एसेट्स’ का नहीं होगा कोई स्थाई बंटवारा

विदेशी मॉडल की नकल नहीं करेंगे, आईएफ चीफ का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एपी सिंह ने एक बार फिर से थिएटराइजेशन योजना पर राय दी है। रविवार को एक साक्षात्कार में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना लड़कू संपत्तियों को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने विदेशी मॉडलों की नकल करने के बजाय, भारत की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप एक ढांचा तैयार करने की वकालत की। सामाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि थिएटराइजेशन का मुख्य सिद्धांत यह होना चाहिए कि जहां जरूरी हो वहां सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल हो और जहां उचित हो वहां डिसेंट्रलाइज्ड एंजीक्यूशन हो। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का हवाला देते हुए कहा कि वायु शक्ति (एयर पावर) सैन्य नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है।

थिएटराइजेशन आजादी के बाद भारत का सबसे बड़ा सैन्य सुधार

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इसे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों द्वारा स्थापित एक संयुक्त ढांचे के तहत अंजाम दिया गया था, जिसमें महत्वपूर्ण संसाधनों का केंद्रीकृत आवंटन और उनका तेजी से पुनः आवंटन निर्णायक साबित हुआ। 2019 में घोषित थिएटराइजेशन योजना को आजादी के बाद भारत का सबसे महत्वाकांक्षी सैन्य सुधार माना गया है। इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर तालमेल और कार्यक्षमता स्थापित करना है।



दुनिया में हाल के संघर्ष ने वायु सेना की ताकत को साबित कर दिया

वायु सेना प्रमुख ने आगे कहा कि दुनिया भर में हाल के संघर्षों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि हवाई ताकत सैन्य नतीजों को कितनी निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है। यही वजह है कि हवाई ताकत को किस तरह व्यवस्थित किया जाए, यह सवाल इतना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने इस परियोजना के लिए सेना का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि हम लड़कू संसाधनों को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने की कवायद के रूप में नहीं देख रहे हैं। आईएफ संयुक्त कार्यप्रणाली (जॉइंटनेस) और एकीकरण (इंटीग्रेशन) के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत में ई 100 फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को हरी झंडी

● सरकार बोली-कच्चे तेल का आयात और प्रदूषण घटेगा



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी एथेनॉल से चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल्स (ई100) के लिए नए नियम जारी कर दिए हैं। सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में संशोधन यानी बदलाव करते हुए सरकार ने ई 100 फ्यूल को मंजूरी दे दी है। नए नॉटिफिकेशन के तहत एमिशन प्रोविजन में ई 85 फ्यूल के साथ अब ई 100 को भी शामिल कर लिया गया है। देश में हरित ईंधन और प्रदूषण मुक्त परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है।

संपादकीय

चुनाव परिणाम पर सवाल

निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। जब विपक्षी सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग जाएंगे, तो वह उनसे संवाद शुरू करने का माकूल मौका होगा। लोगों का असंतोष फिर से सड़कों पर उबल रहा है। इस बार मुद्रा राजनीतिक है। नई दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क और देश के अन्य हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों का संदेश है कि जनमत के एक बड़े हिस्से में चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रहने का भरोसा नहीं रहा। यह चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि ऐसी धारणाएं निर्वाचित सरकार की वैधता पर सवाल उठाने तक चली जाती हैं। भारत में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनने लगी है, जब विपक्ष और सिविल सोसायटी के एक हिस्से में हाल में हुए चुनावों के परिणाम पर खुलेआम संदेह जताया जा रहा है। कुछ राजनेताओं ने 2024 के चुनाव परिणाम पर भी सवाल उठाए हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित विवाद पर जैसा विरोध भड़का है, वह संकेत है कि इन सवालों और संदेहों का प्रभाव दूर तक चला गया है। सरकार के कर्ता-धर्ताओं में दूरदर्शिता होती को बन रहे हालात का मतलब समझते हुए वे उचित पहल करते। कहा जा सकता है कि ऐसा ना कर वे देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। केंद्र और निर्वाचन आयोग चाहें, तो अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। उन्हें यह उचित सलाह होगी कि वे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बहाल करने की पहल तुरंत करें। इसकी शुरुआत ऐसी सर्वदलीय बैठक बुलाकर की जा सकती है, जो महज रस्म-अदायगी ना हो।

उधर निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब इंडिया गठबंधन के सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग की ओर जाएंगे, तो वह इस प्रक्रिया को शुरू करने का माकूल मौका होगा। आयोग ने एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से निकाले गए वैध मतदाताओं के नाम वापस शामिल करने के अभियान की घोषणा कर उचित कदम उठाया है। अब उसे विपक्षी खेमों की अन्य मांगों भी पर ठोस कदम उठाना चाहिए। उधर केंद्र को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेश मुताबिक करने के लिए कानून में उचित बदलाव लाना चाहिए। सिर्फ ऐसे कदमों से ही देश को राजनीतिक अस्थिरता से बचाया जा सकेगा।

वितन-मनन

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जुना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पसंद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशंसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था।



मनोज कुमार अग्रवाल

इन दिनों फ्रांस में चल रहा आंदोलन हालांकि मूल रूप से महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ उपजा जन-आक्रोश से शुरू हुआ , जिसे उग्र वामपंथी तत्वों, सोशल मीडिया के जरिए दुष्प्रचार फैलाने वाली विदेशी ताकतों और आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने एजेंडे के लिए भुनाना शुरू कर दिया है।यह भी सामने आया है कि इन देशों में आसान आव्रजन नियमों का फायदा उठा घुस आए प्रवासी अराजकता का नंगा नाच कर रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों इटली, स्पेन, बेल्जियम और अल्बानिया में भड़की व्यापक हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के पीछे यद्यपि किसी एक निश्चित वैश्विक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इसमें सामाजिक-आर्थिक कारण, स्थानीय जनक्रोश का कई



सौरभ वाण्य

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी परादर्शिता और कथित 'वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है। विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबरों तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और परादर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परीखा जाना भी उसी ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग

राजनीतिक व बाहरी तत्वों द्वारा इस स्थिति का फायदा उठाना शामिल है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, यद्यपि यह दोगे किसी विदेशी ताकत ने शुरू नहीं करवाए हैं, लेकिन रूस समर्थित ऑनलाइन नेटवर्क और एआई टूल्स सोशल मीडिया जैसे टिकटॉक और अन्य प्लेटफॉर्म पर हिंसा और आगजनी के वीडियो को तेजी से वायरल कर रहे हैं। इसे एक तरह का हाइब्रिड वॉरफेयर कहा जा रहा है, जिसका मकसद यूरोपीय देशों में सामाजिक अस्थिरता और सरकारों के खिलाफ असंतोष को और ज्यादा भड़काना है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली व फ्रांस के दक्षिणपंथी नेताओं मरीन लेपेन और जॉर्जिया मेलोनो ने सीधे तौर पर इस हिंसा के लिए यूरोप की उदारवादी अप्रवासी नीतियों और खुली सीमाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि बाहरी देशों से आए शरणार्थी और प्रवासी इन दंगों और लूटपाट में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, हालांकि स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह संकट मुख्य रूप से आंतरिक आर्थिक नीतियों की विफलता का नतीजा है। आपको बता दें कि 1789 की फ्रांसीसी क्रांति तथा 1830 और 1848 की क्रांतियों के बाद यूरोप के घटनाक्रम को करीब से देखने वाले ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटर्निक का 19वीं शताब्दी का चर्चित बयान है कि जब फ्रांस को जुकाम होता है, तो पूरा यूरोप छिंकने लगता है।

जब फ्रांस में कोई क्रांति या गतिविधि शुरू होती है तो पूरे यूरोप में शुरू हो जाती है। ऐसा ही इस बार हुआ। फ्रांस में छात्रों का आंदोलन शुरू होते ही यूरोप के अन्य 6 देशों में छात्रों के आंदोलन शुरू हो गए हालांकि इनके कारण अलग-अलग हैं तथा हिंसक विरोध-प्रदर्शन स्पेन, इटली, सर्बिया और अल्बानिया में नहीं हुए। फ्रांस में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों से काफी नुकसान हुआ-लोगों को चोटें आईं, इमारतें जलाई गईं, दुकानों में लूटपाट हुई और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रों का यह विरोध मुख्य रूप से देश में शिक्षकों की कमी और स्कूलों की जर्जर इमारतों को लेकर था, लेकिन फ्रांस की मैक्रों सरकार ने इन शिकायतों पर लगभग कोई ध्यान नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि आज से 6-7 महीने पहले जब छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया था तब भी मुद्दे वही थे। अगले वर्ष फ्रांस में चुनाव आने वाले हैं और मैक्रों को लग रहा था कि वे वे इस बार भी चुनाव जीत जाएंगे इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर चुप रहना ही बेहतर समझा।परंतु दोबारा चुनाव का ध्यान खींचने के लिए प्रदर्शन शुरू होने पर हालात ऐसे बने कि छात्रों के आंदोलन में विभिन्न गैंगों ने घुसपैठ कर ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद तब कहीं जाकर फ्रांस सरकार ने छात्रों की समस्याओं को सुनना शुरू किया।लेकिन, यह सब होने के बाद मैक्रों ने एक भाषण दिया और उसके तुरंत बाद सऊदी अरब चले गए। छात्रों को लगा कि मैक्रों तो हमारी मांगों को

लेकर गंभीर ही नहीं हैं तथा बिना कोई समाधान निकाले ही विदेश यात्रा पर चले गए हैं।इसलिए एक बार फिर 24 अक्तूबर को छात्रों ने पैरिस सहित कई शहरों में प्रदर्शन किए, मगर वे काफी हद तक शांतिपूर्ण थे। हालांकि पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया और 1300 बच्चों को गिरफ्तार भी किया। उल्लेखनीय है कि पिछले इलेक्शन के समय भी मैक्रों लोगों को उतने पसंद नहीं थे। हालांकि फ्रांस की राइट विंग विपक्षी नेता ला पेन भी फ्रांस के लोगों को कोई खास पसंद नहीं हैं परंतु यदि मैक्रों ने छात्रों की बात न सुनी तो लोग ला पेन की ओर चले जाएंगे। यूरोप के अन्य देशों में भी छात्र प्रदर्शन हुए हैं और इटली में तो छात्रों ने लूटपाट करने आए गैंगों को पीट कर भगा दिया और पुलिस को बचाया। हालांकि अन्य स्थानों पर ऐसे उग्र प्रदर्शन नहीं हुए परंतु कहीं अर्थव्यवस्था खस्ता है, कहीं रोजगार नहीं है और कहीं बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था न होने के कारण सारे यूरोप के लोग अपने देशों की सरकारों से नाराज हैं और वहां छात्र आंदोलन कर रहे हैं। इस तरह के घटनाक्रम के बीच प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या लोगों को लोकतांत्रिक देशों में अपनी सरकारों को अपनी शिकायतें नहीं बतानी चाहिए? क्या शांतिपूर्वक आंदोलन करने वाले छात्रों या दूसरे लोगों का यह अधिकार नहीं कि उनकी सरकारें उनकी बातें सुनकर उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करें। आखिर इन सभी देशों में लोकतंत्र और निर्वाचित सरकारें हैं।

जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए। विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता। साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य

हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे। इस आंदोलन के बीच यूट्यूबरों और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है। आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं। इसलिए डिजिटल माध्यमों से उठने वाली आवाजों को केवल उनकी राजनीतिक पसंद के आधार पर खारिज करना उचित नहीं है। उनकी सामग्री की जांच तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। स्वतंत्र पत्रकारिता का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह सत्ता से भी सवाल पूछे और विपक्ष के दावों की भी निष्पक्ष पड़ताल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने युवाओं के सामने विकास, रोजगार, अवसरों और बेहतर भविष्य की उम्मीदें रखी थीं। आज युवाओं का एक वर्ग रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, महंगाई, शिक्षा और राजनीतिक जवाबदेही जैसे सवालों को लेकर मुखर दिखाई देता है। ऐसे में किसी भी आंदोलन में युवाओं की भागीदारी को केवल राजनीतिक दलों के प्रभाव का परिणाम मान लेना अंधूरा विश्लेषण होगा। युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बढें, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में

पारादर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है। सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियां पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे। लोकतांत्रिक सरकार की ताकत केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि आलोचना सुनने और जनता के भरोसे को बनाए रखने में भी होती है। वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारादर्शिता से निकलेगा। यदि आरोपों में दम है, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो संबंधित संस्थाओं को स्पष्ट और विश्वसनीय तथ्यों के माध्यम से स्थिति सामने रखनी चाहिए। दोनों ही परिस्थितियों में जनता को भरोसेमंद जवाब मिलना जरूरी है। जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं। सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना होगा। विपक्ष को भी अपने आरोपों को प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना होगा। वहीं स्वतंत्र पत्रकारों और आंदोलनकारियों की जिम्मेदारी है कि वे सत्यापन, शांति और संवैधानिक मर्यादओं का पालन करें। आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है। यदि सरकार, विपक्ष और संवैधानिक संस्थाएं इस मूल भावना को समझें, तो आंदोलन टकराव का कारण बनने के बजाय व्यवस्था में सुधार का अवसर बन सकता है। जनता को न केवल अपने मताधिकार की सुरक्षा का भरोसा चाहिए, बल्कि यह विश्वास भी चाहिए कि उसकी आवाज सत्ता तक पहुंच सकती है और उसके सवालों का जवाब मिलेगा। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है।

एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन



उमेश चतुर्वेदी

बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया।



लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया। फिर भी सरकारी तंत्र संयमित रहा। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के

खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। लेकिन सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कर्नाट प्लेस

के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही। दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट्स वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना दरअसल मामले का एक तरफा संज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकोंके खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाते और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूपीएए के दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि इन नियमों-कानूनों के जरिए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, एनजीओ और आलोचकों की आवाज दबाई जा रही है। साथ ही, सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा सिकुड़ रहा है। मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बावजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए। दरअसल श्रेष्ठतावोध से ग्रस्त पश्चिमी समाज और उसके कथित मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों के लिए एकराफा ही रहा है। बेशक भारत आर्थिक रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन चुका है, लेकिन अब भी भारत को लेकर उसकी सोच पुरानी ही है। जिसे अब देश की अधिसंख्य जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोपों और पर्यवेक्षणों से भारतीय मानस उस तरह प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।

हर घर तक पहुंचे सरकार की योजनाएं : बांसुरी स्वराज

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी ने संगठनात्मक बैठक में पार्टी को मजबूत करने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी एवं लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि देश व प्रदेश के विकास के लिए भाजपा सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। हर घर तक योजनाओं का लाभ पहुंचे इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को गंभीरता से कार्य करना होगा।

सोमवार को कोटद्वार पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बांसुरी स्वराज का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने तील् रैतेली चौक स्थित वीरंगना तील् रैतेली की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके उपरंत एंविसय गार्डन में आयोजित भाजपा की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक में उन्होंने प्रतिभाग किया। बैठक को संबोधित करते हुए बांसुरी स्वराज ने संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की और बुथ स्तर



कोटद्वार पहुंचने पर बांसुरी स्वराज का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी

पर पार्टी को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, महिला

सशक्तीकरण, युवाओं को अवसर, किसानों के हितों की रक्षा, आधारभूत ढांचे का विस्तार और राष्ट्रीय सुरक्षा केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने

मैथुरी, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट, विजया बड़थ्वाल, विश्वजीत नेगी, अनुकृति रावत, ऋषि कंडवाल आदि मौजूद रहे।

हल्दूखाता तल्ला में 675 करोड़ से बनेगा 400 केवी विद्युत उपकेंद्र

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार सहित पौड़ी गढ़वाल जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। हल्दूखाता तल्ला में 675 करोड़ रुपये की लागत से 400 केवी क्षमता का विद्युत उपकेंद्र प्रस्तावित किया गया है। इसे उत्तराखंड का चौथा सबसे बड़ा विद्युत उपकेंद्र बताया जा रहा है। इसके निर्माण से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की क्षमता बढ़ने के साथ ही औद्योगिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

वर्तमान में कोटद्वार क्षेत्र को सतपुली स्थित विद्युत उपकेंद्र से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। ऐसे में हल्दूखाता तल्ला में प्रस्तावित नए उपकेंद्र को क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके निर्माण से कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ भविष्य में बढ़ने वाली बिजली की मांग को पूरा करने में भी मदद मिल सकती है। प्रस्तावित विद्युत उपकेंद्र का सबसे

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी बांसुरी स्वराज आज श्रीनगर में

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा की प्रदेश सह-प्रभारी बांसुरी स्वराज 27 अक्टूबर को श्रीनगर में जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक लेंगी। इस संदर्भ में भाजपा जिला महामंत्री गणेश भट्ट की अध्यक्षता में तैयारी बैठक हुई और विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। भाजपा जिला महामंत्री गणेश भट्ट ने कहा कि बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के समन्वय तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चा की जाएगी। श्रीनगर पहुंचने पर परग डेयरी क्षेत्र में उनका स्वागत किया जाएगा। बैठक में मंडल अध्यक्ष विनय चिल्डियाल, मेयर आरती भंडारी, मंडल महामंत्री दिनेश पटवाल, शुभम प्रभाकर, भाजपा मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रमिला भंडारी, सीमा भंडारी, रेखा रावत, शांति भट्ट आदि मौजूद रहे। वहीं पौड़ी में भी पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत ने बताया कि बैठक में जिला कोर कमिटी के सदस्यों, सांसद-विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों, जिला प्रभारी व सह-प्रभारी, पूर्व जिलाध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। (एजेंसी)

वाल्मीकि जयंती पर निकाली शोभायात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। वाल्मीकि समाज के लोगों ने ढोल नगाड़ों के साथ महर्षि, सीता और लव-कुश के साथ नगर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर भव्य शोभा यात्रा निकाली। वाल्मीकि समाज के युवकों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर बरेड़ी व मुदगल पर विभिन्न करतब किए। वाल्मीकि प्रकट समारोह समिति की ओर से बीते रविवार शाम से ही जयंती को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। रात्रि जागरण और भजन कीर्तन के साथ सोमवार सुबह एजेंसी चौक स्थित वाल्मीकि मंदिर पर समिति की ओर से महर्षि की पूजा हुई। जहां से शोभा यात्रा निकाली गई। कांग्रेस नेता व पूर्व आईएएस सुंदरलाल मुगल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जागरण में प्रतिभाग किया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष सोनू घाघट, सचिव प्रवीन कुमार घाघट, उपाध्यक्ष बृजेश ढिंगिया, कोषाध्यक्ष मुकेश ढिंगिया, सुनील राजवंशी, राजू रिडियान आदि मौजूद रहे।

गंगा हाउस ने जीता वॉलीबॉल का खिताब

श्रीनगर गढ़वाल : शाश्वत शिक्षा निकेतन बागवान धर्मनगर में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत वॉलीबॉल, शॉटपुट (गोला फेंक) और डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) के रोमांचक मुकाबले संपन्न हुए। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया। जूनियर एवं प्राइमरी बालक वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भागीरथी हाउस व अलकनंदा हाउस के बीच पहला तथा दूसरा मुकाबला गंगा हाउस व यमुना हाउस के बीच खेला गया। फाइनल मुकाबले में गंगा हाउस विजेता रहा, जबकि अलकनंदा हाउस उपविजेता बना। छात्रा वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में यमुना हाउस व भागीरथी हाउस और अलकनंदा हाउस व गंगा हाउस के बीच मुकाबला हुआ। गंगा हाउस ने विजेता का खिताब अपने नाम किया और भागीरथी हाउस उपविजेता रहा। प्राइमरी बालक की गोला फेंक प्रतियोगिता में शिवांक भट्ट प्रथम, अर्णव राज द्वितीय व गर्वित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : माता-पिता विहीन बच्चों की शिक्षा में आर्थिक बाधा न आए, इसके लिए उत्तराखंड लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक ट्रस्ट ने मदद का हाथ बढ़ाया है। ट्रस्ट की ओर से दुर्गछा, जयहरीखाल, द्वारीखाल और यमकेश्वर के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत 45 बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस दौरान अन्य सामाजिक संस्थाओं से भी जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने की अपील की गई। देवी रोड स्थित एमकेवीएन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौडियाल, विशिष्ट अतिथि एससीईआरटी के अपर शिक्षा निदेशक प्रदीप रावत, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल बुद्धिवल्लभ ध्यानी, संस्था अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोशरी, कोषाध्यक्ष सेवानिवृत्त कैप्टन पीएल खंतवाल और संरक्षक शिवदयाल बौंटियाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करने की जिम्मेदारी समाज के हर व्यक्ति की है। आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट ने माता-पिता

मुआवजे का भुगतान होने तक जारी रहेगा धरना

श्रीनगर गढ़वाल : धारी, गुगली, मंगसू के बांध प्रभावितों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को भी जारी रहा। आंदोलित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनके मुआवजे का संपूर्ण भुगतान नहीं हो जाता आंदोलन जारी रहेगा। कोटेश्वर स्थित जीवीके कंपनी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे ग्रामीणों ने अभी तक मांग नहीं माने जाने पर तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। आंदोलनकारी सुनीता पांडे ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर समुचित का-र्रवाई नहीं की जाती आंदोलन जारी रहेगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यूकेडी नेत्री सरस्वती देवी ने सोमवार को धरना स्थल पर पहुंचकर



आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि सरकार आंदोलनकारियों की मांग शीघ्र पूरा करे। इस मौके पर गीता देवी, विमला देवी, शकुन्तला देवी, सुनीता देवी पांडे, अनीता देवी, लक्ष्मी देवी, शंकरलाल, अमरा देवी, सुलोचना देवी, सुनीता देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

शौर्य चक्र विजेता शहीद मनीष पटवाल को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शौर्य चक्र विजेता शहीद मनीष पटवाल की 14वीं पुण्य स्मृति में सोमवार को घंडियाल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में शहीदी दिवस मनाया गया। इस दौरान पूर्व सैनिकों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और शहीद के परिजनों ने वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर शहीद को नमन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर और राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस दौरान शहीद मनीष पटवाल अमर रहें और जब तक सूरज चांद रहेगा, मनीष तेरा नाम रहेगा जैसे नारों से परिसर गूंज उठा। इसके बाद शहीद के चित्र और प्रतिमा पर



पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। शहीद की माता शांति देवी और पिता जगमोहन सिंह पटवाल को अंगवस्त्र भेंटकर

अपनी मां एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज का स्मरण करते हुए कहा कि उनका उत्तराखंड से विशेष लगाव था। वह देवभूमि को अपना दूसरा घर मानती थीं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि उत्तराखंड की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के साथ विकास की व्यापक संभावनाएं जुड़ी हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से चारधाम यात्रा की सुविधाओं, सड़क एवं रेल संपर्क, पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास पर कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री दीपिन रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, जिला प्रभारी रमेश

मैथुरी, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट, विजया बड़थ्वाल, विश्वजीत नेगी, अनुकृति रावत, ऋषि कंडवाल आदि मौजूद रहे।

ब्लिंकिट से नाराज हुए राइडर्स, शुरु की हड़ताल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्याप्त मेहनताना नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए ब्लिंकिट के डिलीवरी राइडर्स सोमवार से हड़ताल पर चले गए। देवी रोड स्थित ब्लिंकिट स्टोर के बाहर एकत्रित राइडर्स ने कंपनी के खिलाफ नाराजगी जताते हुए अपनी मांगों पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। राइडर्स का आरोप है कि कंपनी की ओर से भुगतान की व्यवस्था स्पष्ट नहीं है। इससे उन्हें मेहनत के अनुरूप कम आमदनी हो रही है।

सोमवार सुबह स्टोर के बाहर एकत्रित राइडर्स ने हड़ताल की घोषणा की। उनका कहना है कि वे लंबे समय से घर-घर सामान पहुंचाने का काम कर रहे हैं। शुरुआत में उन्हें बेहतर सुविधाएं देने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन अब उन्हें पर्याप्त मेहनताना भी नहीं मिल पा रहा है। राइडर्स के अनुसार, एक किलोमीटर की दूरी तक सामान पहुंचाने के लिए उन्हें 12 रुपये दिए जाते हैं, जबकि इसके बाद की दूरी के भुगतान का स्पष्ट हिसाब नहीं मिलता। उनका आरोप है कि सामान पहुंचाने का भुगतान तो किया जाता है, लेकिन डिलीवरी के बाद वापस लौटने में लगने वाले खर्च का कोई



महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शोभायात्रा निकालते हुए श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन : पर्यटन नगरी लैसडौन में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। श्रद्धालुओं ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ नगर के प्रसिद्ध गांधी चौक स्थित वाल्मीकि

मंदिर से हुआ। इसके बाद शोभायात्रा माल रोड से होते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी और पुनः वाल्मीकि मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान महर्षि वाल्मीकि के जीवन, आदर्शों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समसता एवं सद्भाव के संदेश को याद किया गया। महर्षि वाल्मीकि ने अपनी महान रचना रामायण के माध्यम से भारतीय संस्कृति और समाज को अमूल्य धरोहर प्रदान की।



कोटद्वार के देवी रोड स्थित ब्लिंकिट स्टोर के बाहर हड़ताल पर बैठे डिलीवरी राइडर्स।

भुगतान नहीं होता। राइडर्स ने बताया कि कई बार डिलीवरी के दौरान मोटर साइकिल में अधिक पेट्रोल खर्च हो जाता है। ऐसे में कम मेहनताने के कारण उनके लिए काम करना मुश्किल हो रहा है। उनका कहना है कि दिनभर मेहनत करने के बावजूद आमदनी और खर्च के बीच संतुलन नहीं बन पा रहा है। राइडर्स ने कंपनी की इंसेंटिव व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सुबह छह बजे से रात 12 बजे तक काम

करने वाले राइडर्स को ही इंसेंटिव का लाभ मिल पाता है। उन्होंने कहा कि अपनी समस्याओं से कई बार कंपनी को अवगत कराने के बावजूद अब तक समाधान नहीं हुआ है। राइडर्स की हड़ताल के चलते डिलीवरी सेवाएं प्रभावित होने की बात सामने आई। राइडर्स ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान कर मेहनत के अनुरूप भुगतान सुनिश्चित नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

नशे में वाहन चलाना पड़ा भारी, आठ वाहन सीज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है।

पुलिस लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की लगातार अपील कर रही है, लेकिन इसके बावजूद भी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। जिले की पुलिस ने अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने पर आठ वाहनों को सीज किया है।

जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों में सघन चकिंग अभियान चलाया।

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने पर कोटद्वार पुलिस ने छः और यातायात पुलिस कोटद्वार ने दो वाहनों को सीज किया। साथ ही संबंधित चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की गई।

पुलिस ने रैश ड्राइविंग और निर्धारित गति सीमा से अधिक गति से वाहन चलाने पर 17 चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। वहीं, यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 133 वाहन चालकों के चालान किए गए। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और नशे में वाहन न चलाने की अपील की। एसएसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

कबड्डी में नवयुग और वॉलीबाल में एमकेवीएन बना चैंपियन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत नवयुग पब्लिक स्कूल में स्व. शीला देवी नेगी की स्मृति में आयोजित अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालक वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में मेजबान नवयुग पब्लिक स्कूल ने खिताब अपने नाम किया, जबकि बालिका वर्ग की वॉलीबाल प्रतियोगिता में एमकेवीएन की टीम चैंपियन बनी। प्रतियोगिता का शुभारंभ सेवानिवृत्त सुबेदार मेजर कुलदीप सिंह रावत, प्रभुदयाल बिष्ट और पूर्व प्रमुख रविंद्र सिंह नेगी ने किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कबड्डी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में नवयुग पब्लिक स्कूल और स्कॉलर्स एकेडमी ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमीफाइनल में नवयुग पब्लिक स्कूल ने एवीएन को 35-14 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में स्कॉलर्स एकेडमी ने एमकेवीएन को 38-30 से



आयोजित प्रतियोगिता के चैंपियन खिलाड़ी

पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में नवयुग पब्लिक स्कूल और स्कॉलर्स एकेडमी की टीम आमने-सामने रही। इसमें नवयुग की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉलर्स एकेडमी को 53-29 से शिकस्त दी और ट्रॉफी पर

कब्जा जमाया। बालिका वर्ग की वॉलीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला नवयुग पब्लिक स्कूल और एमकेवीएन के बीच खेला गया। एमकेवीएन की खिलाड़ियों ने शानदार ताकत और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए नवयुग को सीधे सेटों में 25-12 और 25-15 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान

खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर अवधेश चमोली, डॉ. रोबिन सिंह, आशीष अग्रवाल, पुनीत कंसल, रहित बता, कुबेर जालान, शंकर दत्त जोशी, धीरेंद्र कंडारी और सुरदीप गुसाई सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिंह राणा ने कहा कि संगठन को पिछले छह वर्षों से बलिदानी मनीष पटवाल की पुण्य स्मृति में श्रद्धासुमन अर्पित करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों का बलिदान सदैव याद रखा जाएगा। कहा कि शहीद मनीष पटवाल ने कम उम्र में अपने प्राणों की परवाह किए बिना अपने जूनियर साथियों की जान बचाने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसे वीर सपूत और उनके माता-पिता को वह नमन करते

ग्राम प्रधान गढ़कोट संगीता देवी, ग्राम प्रधान अशोक रावत, कैप्टन अतुल नेगी, सुबेदार सुरेश नेगी, हवलदार राकेश रावत, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के प्रतिनिधि हवलदार संजय रावत, हवलदार पदम सिंह, हवलदार एमएस कंडवाल, हवलदार राजेंद्र प्रसाद बगारी, सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक विनोद नेगी, महिला मंडल दल अध्यक्ष गाथरी देवी पटवाल, युवा संगठन समिति अध्यक्ष अजय, व्यापार मंडल घंडियाल अध्यक्ष संजय रावत, विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप रावत, समिति संरक्षक आरपी नैथानी, मीडिया संयोजक जगमोहन डांगी, सामाजिक कार्यकर्ता जसवीर रावत, नेहरू युवा केंद्र के प्रतिष्ठित प्रभारी सूरज रावत सहित शहीद के चरित्र प्रभारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ग्राम प्रधान थापला राकेश कुमार ने किया।

हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त गुप कैप्टन मनमोहन सिंह रावत सहित ग्राम प्रधान घंडियाल अनीता रावत,

सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सैनिक संगठन पौड़ी के जिलाध्यक्ष सेवानिवृत्त सुबेदार मेजर राजेंद्र

चित्रकला प्रतियोगिता में निम्मी, रिद्धिमा, प्राची रहे अत्तल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) पौड़ी गढ़वाल द्वारा कलजीखाल ब्लॉक के सरस्वती शिशु मंदिर चंडिगल में पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हनशा मुक्त युवाह विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रथम स्थान निम्मी, द्वितीय स्थान रिद्धिमा एवं तृतीय स्थान प्राची ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नशा मुक्ति युवा पर चर्चा की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप सिंह ने नशा मुक्ति युवा के बारे में युवाओं को जागरूक किया। विद्यालय के प्रवक्ता राजाम युवाओं को नशे से दूर रहने और नशा मुक्त युवा कैसे बने को लेकर जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश खखरवाल ने नशा मुक्ति युवा एवं पड़ोस युवा संसद के बारे में



युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि युवा किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। कहा जाता है कि जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि

नशा भविष्य और परिवार को बर्बाद कर देते हैं। विकसित भारत तभी बनेगा जब युवा विकसित सोच वाला और नशा मुक्त होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवी सचिन, सुरज रावत, नंदिनी आदि उपस्थित रहे।

बिजली कनेक्शन में देरी पर नपेंगे अधिकारी

गोपेश्वर/कर्णप्रयाग। उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पीसी ध्यानी ने विद्युत वितरण मंडल कर्णप्रयाग के अंतर्गत आने वाले गोपेश्वर, रुद्रप्रयाग, गैरसैंण और नारायणगढ़ विद्युत वितरण खंडों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने और मीटर रीडिंग के आधार पर सभी उपभोक्ताओं को बिजली बिल जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली कनेक्शन देने में देरी की गई तो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं का निर्धारित समयसीमा में निस्तारण करने और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का सकारात्मक हटिकोण के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। रविवार को देर रात तक चली बैठक में उन्होंने उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर

के लाभों की जानकारी देकर इन्हें लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नए बिजली कनेक्शन समय पर जारी करने पर जोर देते हुए कहा कि कनेक्शन देने में अनावश्यक देरी मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही संबंधित अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने अभियंताओं एवं सभी कार्मिकों को उत्तराखंड के सभी उपभोक्ताओं की तय समय पर शिकायतों का समाधान करने और बकायेंदार उपभोक्ताओं से शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शत-प्रतिशत मीटर रीडिंग पर उपभोक्ताओं के बिल जारी करने, खराब मीटरों को प्राथमिकता पर बदले जाने तथा तत्काल बिल संशोधित करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए। बैठक में बदरीनाथ धाम एवं केदारनाथ धाम में होने वाले विद्युत कार्यों की समीक्षा भी की गई।

लोकगीत और नुक्कड़ नाटक में नवोदय विद्यालय ने मारी बाजी

चिन्वालीसौड़। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में विकासखंड परिसर में आयोजित एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय युवा महोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में विद्यार्थियों ने लोक नृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और कविता लेखन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मनोज कोहली मुख्य अतिथि रहे। प्रतियोगिताओं के परिणामों में लोक नृत्य में राजकीय इंटर कॉलेज बड़ेथी ने प्रथम स्थान हासिल किया। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय चिन्वालीसौड़ दूसरे और राजकीय इंटर कॉलेज कोटधार गमरी तीसरे स्थान पर रहा। लोकगीत प्रतियोगिता में राजीव गांधी

बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति किया जागरूक

गोपेश्वर। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जिला बाल कल्याण समिति की सदस्य ममता भट्ट ने विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी दी। विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों को बाल शोषण, बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन उत्पीड़न, अपहरण, नशे और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

साथ ही बाल पोषण और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी भी दी गई। अभियान के तहत विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गोपेश्वर, उत्तराखंड पब्लिक स्कूल, जीआईसी ग्वाड़ देवलधारा, संस्कृत महाविद्यालय मंडल, जूनियर हाईस्कूल कुनकुली, शा-रदा सुमन चिल्ड्रन एकेडमी और सरस्वती शिशु मंदिर गोपेश्वर में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गंगोत्री—यमुनोत्री धाम में बढ़ी श्रद्धालुओं की तादाद



उत्तरकाशी/बड़कोट। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने में अब कुछ दिन ही शेष हैं। इससे पहले दोनों धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में फिर तेजी आने लगी है। चारमास यात्रा के अंतिम चरण में पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन पांच से आठ हजार यात्री दोनों धाम पहुंच रहे हैं। गत दिवस भी करीब 12 हजार

श्रद्धालुओं ने मां गंगा और यमुना के दर्शन किए।

यात्रा अब अंतिम चरण में है और यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। धामों में रैनक लौटने के साथ होटल, ढाबा संचालकों और घोड़ा-खच्चर व्यवसायियों को भी राहत मिली है। ब्रह्मखाल के समीप स्थित शिव गुफा में भी प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा कारोबार से जुड़े व्यवसायियों को सीजन के अंतिम दिनों में बेहतर कारोबार की उम्मीद है। यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुनील उनियाल और प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि यमुनोत्री धाम के कपाट 11 नवंबर को भैयादूज पर्व पर बंद कर दिए जाएंगे।

इसके बाद श्रद्धालु खरसाली स्थित यमुना मंदिर में मां के दर्शन कर सकेंगे। वहीं गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को अन्नकूट पर्व पर दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर शीतकाल के लिए बंद होंगे। कपाट बंद होने से पहले बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या से यात्रा कारोबार को संभल मिल रहा है।

70 लाख लेकर फरार हुआ वित्तीय संस्था संचालक गिरफ्तार

उत्तरकाशी। कम समय में जमा पूंजी दोगुनी करने और निवेश पर मोटा मुनाफा देने का लालच देकर लोगों की कमाई लेकर फरार हुए आरोपी वित्तीय संस्था संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। श्री समृद्धि उत्सव बैंक के नाम से संस्था चलााने वाले आरोपी पर करीब 60 से 70 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस ने उसे हरिद्वार के ज्वालापुर स्थित किराये के मकान से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी उत्सव अग्रहरी ने मार्च 2024 में उत्तरकाशी के ज्ञानसू में श्री समृद्धि उत्सव बैंक के नाम से वित्तीय संस्था शुरू की थी। आरोप है कि उसने लोगों को अधिक ब्याज और भारी मुनाफे का प्रलोभन देकर निवेश कराया। शुरुआत में कुछ निवेशकों को मुनाफा देकर उनका भरोसा जीता गया जिसके बाद अन्य लोगों ने भी संस्था में अपनी रकम जमा कराई। बाद में निवेशकों से लाखों रुपये जुटाने के बाद आरोपी फरार हो गया। सितंबर 2026 में संस्था की एक महिला कर्मचारी एवं मैनेजर की तहरीर पर कोतवाली उत्तरकाशी में प्राथमिकी दर्ज की



गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने लेनदेन और तकनीकी साक्ष्य जुटकर आरोपी की तलाश की। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को आरोपी को ज्वालापुर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

एक नजर

विधायक ने सड़क सर्वे का दिया आश्वासन

थराली। ग्वालदम बाजार से जलचौरा और पाटला तक मार्ग बनाने की मांग के लिए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विधायक भूपाल राम टट्टा से मुलाकात की। विधायक ने एक सप्ताह में सड़क सर्वेक्षण शुरू करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी कई बार क्षेत्रीय विधायक और लोक निर्माण विभाग को ज्ञापन दिए गए मगर अभी तक सड़क का सर्वेक्षण नहीं हुआ। विधायक भूपाल राम टट्टा ने कहा कि सर्वेक्षण के बाद प्रस्ताव तैयार कर आगे की कार्रवाई होगी। ग्राम प्रधान हेमलता राईया ने कहा कि इन तौरों के लोग आज भी सामान पीठ पर लादकर चलते हैं।

पुष्कर सिंह रावत बने एसोसिएशन के अध्यक्ष

गैरसैंण। होटल व्यवसायी एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में पुष्कर सिंह रावत को अध्यक्ष चुना गया। शिवदत्त पाठक और हीरा सिंह रावत उपाध्यक्ष बने। कुंवर सिंह शिंगवाण सचिव और विक्रम मेहरा कोषाध्यक्ष चुने गए। नवीन प्रकाश को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी सदस्यों में कृष्णा नेगी, हुलाबीर सिंह नेगी, राकेश सेमवाल, वीरेंद्र सिंह और बृजमोहन पंत शामिल हैं। अंजना बिष्ट, सरिता भंडारी, सोरभ और कुंवरसिंह बिष्ट भी कार्यकारिणी में शामिल किए गए। गठन के बाद सभी सदस्यों ने क्षेत्र के होटल व्यवसायियों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

घेस में सहकारी समिति बंद, ग्रामीण परेशान

देवाल। घेस क्षेत्र के ग्रामीणों ने बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति घेस को पुनः संचालित करने की मांग मुख्यमंत्री से की है। ग्रामीणों ने कहा कि इस समिति को ढाई साल पहले मुंदोली की समिति में विलय किया गया था। यह जनपद का सबसे दूरस्थ क्षेत्र है जहां बड़े पैमाने पर जड़ी-बूटी का उत्पादन होता है। 700 से अधिक किसान जड़ी-बूटी की खेती से लाखों रुपये का व्यापार करते हैं। क्षेत्र में कोई वित्तीय संस्थान नहीं है जिससे बचत जमा करने में दिक्कत होती है। समिति बंद होने से खाद्य, बीज, ऋण और बैंक सुविधाओं के लिए मुंदोली जाना पड़ता है। इससे अधिकांश लोग सस्कारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। प्रधान देवकी देवी और जिला पंचायत सदस्य बलबीर राम ने मुख्यमंत्री से समिति पुनः संचालित करने की मांग की।

गौचर में खुली राशन की नई दुकान

गौचर। वाल्मीकि दिवस पर गौचर पालिका क्षेत्र के शैल बसंतपुर वार्ड में सस्ते गन्ने की दुकान का शुभारंभ किया गया। पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी ने डाटपुल के निकट साधन सहकारी समिति की इस दुकान का उद्घाटन किया। यह पालिका क्षेत्र की चौथी राशन की दुकान है। दुकान खुलने से वार्ड के करीब 250 उपभोक्ताओं को अब नजदीक से राशन मिल सकेगा। राशन डीलर अजय रावत ने उपभोक्ताओं के फिंगर प्रिंट लिए और शुभकामनाएं दीं। संदीप नेगी ने कहा कि वार्ड सभासद वंदना राणा की पहल से कामकाजी महिलाओं को सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर सभासद विनीत रावत, गौरव कपूर, समाजसेवी वीरेंद्र सिंह राणा और अन्य लोग मौजूद रहे।

सिलपाटा पशु सेवा केंद्र की मरम्मत के लिए छह लाख स्वीकृत

आदिबदरी। दुधौली क्षेत्र के सिलपाटा में स्थित पशु सेवा केंद्र बदहाल स्थिति में है। शरास्ती तत्वों ने इसके दरवाजे और बिजली के बोर्ड उखाड़ लिए हैं जिससे यह खूबहर होने के कगार पर है। अब पशु चिकित्सालय आदिबदरी के चिकित्साधिकारी ने मरम्मत के लिए लगभग 6 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नगर क्षेत्र में निकाली शोभा यात्रा

नई टिहरी /घनसाली। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज मंदिर सर्व सेवा समिति नई टिहरी की ओर से नगर क्षेत्र में भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान देहरादून के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों की तालियां बढोरी। विधायक किशोर उपाध्याय ने वाल्मीकि मंदिर व चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 12 लाख देने की घोषणा की। नई टिहरी के डाइजर से नई टिहरी बाजार, मोलधार वाल्मीकि चौक, बौराड़ी के गणेश होते एम ब्लॉक स्थिति वाल्मीकि मंदिर में शोभा यात्रा का समापन हुआ। बौराड़ी में आरएसएस के समरता विभाग की ओर से झांकी का स्वागत किया गया। झांकी में शामिल लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। विधायक उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत ने मोलधार स्थित वाल्मीकि चौक में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाकर सुख समृद्धि मांगी। विधायक ने वाल्मीकि मंदिर सौंदर्यकरण के लिए 11 लाख तथा वाल्मीकि चौक के सौंदर्यकरण के लिए 1 लाख रुपये देने की घोषणा की। नरेंद्रनगर में वाल्मीकि समाज के



लोगों ने मंदिर में पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि मांगी। इधर नगर पंचायत घनसाली में वाल्मीकि समाज के लोगों ने मनमोहक झांकियां निकाली।

नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट ने लोगों से महर्षि वाल्मीकि के विचारों को अपनाने और आदर्शों पर चलने को कहा।

चाई गांव में सीता माता मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए हुआ भूमि पूजन

ज्योतिर्मठ। ज्योतिर्मठ के निकट चाई गांव स्थित प्राचीन सीता माता मंदिर के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण कार्य का सोमवार को भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्य का शुभारंभ किया। मंदिर का पुनर्निर्माण दिल्ली के दानदाता दिनेश गोयल एवं सपना गोयल परिवार के सहयोग से कराया जाएगा। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि मंदिर के जीर्णोद्धार से इसकी प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता संरक्षित होगी और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने दानदाता परिवार और चाई गांव

के लोगों का आभार जताया। मान्यता है कि चाई गांव में वेदवती ने भगवान विष्णु की तपस्या की थी। इससे पहले अध्यक्ष ने ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में दर्शन किए और धरने पर बैठे बीकेटीसी के अस्थायी कर्मचारियों से वार्ता कर अशान स्थिति करने की अपील की। मगर कर्मचारी नहीं माने। अध्यक्ष ने बदरीनाथ धाम में यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, बीकेटीसी सलाहकार माधव सेमवाल, समिति के सदस्य राकेश भंडारी, सीईओ सोहन सिंह रांगड़, पूर्व पालिकाध्यक्ष शैलेंद्र पंवार आदि मौजूद रहे।

बांध प्रभावितों के प्रतिकर के लिए 132.43 करोड़ मंजूर : उपाध्याय

नई टिहरी। विधायक किशोर उपाध्याय ने टिहरी बांध परियोजना के प्रभावित परिवारों को पुनर्वास नीति-1988 के तहत कृषि भूमि के बदले दिए जाने वाले नकद प्रतिकर के लिए 132.43 करोड़ रुपये की धनराशि को मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से बांध प्रभावितों में नई उम्मीद जगी है। उन्होंने हनुमंत राव कमेटी की सभी सिफारिशों को पूरी तरह लागू करने की ज़रूरत बताई। कहा कि पांच लाख की प्रतिकर राशि बढ़ाए जाने से स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। यहां जारी बयान में विधायक उपाध्याय ने कहा कि बांध प्रभावितों की महापंचायत की मांग पर टीएचडीसी का मुख्यालय ऋषिकेश स्थानांतरित किया गया। उस समय मुख्यालय को दिल्ली ले जाने की तैयारी की जा रही थी। उन्होंने कहा कि टिहरी को रॉयल्टी में 50 प्रतिशत



हिस्सा देने की मांग भी लंबे समय से उठाई जा रही है। सरकार को इस मांग पर भी जल्द निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री के फैसले को सराहनीय बताने हुए उम्मीद जताई कि सरकार बांध प्रभावितों की अन्य लंबित समस्याओं के समाधान के लिए भी सार्थक पहल करेगी।

कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी, पेड़ पर अटकी

नई टिहरी , नई टिहरी रोड पर टीसीआर होटल के पास सोमवार को एक कार अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार दंपती घायल हो गए। सूचना मिलने पर चंबा पुलिस ने फायर सर्विस टिहरी और पीएसी के जवानों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया और दोनों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, कार संख्या नई टिहरी से ऋषिकेश की ओर जा रही थी। टीसीआर होटल के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। कार सड़क किनारे लगी बैरिकेडिंग से टकराने के बाद खाई में जा गिरी। गनीमत रही कि वाहन नीचे एक पेड़ पर अटक गया।

जिला कंट्रोल रूम से दुर्घटना की सूचना मिलते ही चंबा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विपिन बहुगुणा पुलिस बल और आपदा राहत उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां फायर सर्विस टिहरी और पीएसी के जवानों के सहयोग से बचाव कार्य शुरू किया गया।

कार में मधु पैन्थली (55 वर्ष) और उनके



पति हरिश्चंद्र पैन्थली सवार थे। दोनों ऋषिकेश के श्यामपुर स्थित खत्री रोड की विनोद विहार कॉलोनी के निवासी हैं। रेस्क्यू टीम ने दोनों को खाई से सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में उन्हें हल्की चोट आई। इसके बाद 108 एंबुलेंस की

मदद से दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पुलिस और राहत टीमों की तत्परता से दंपती को समय रहते खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा सका।

भुक्की गांव में ट्रॉली तक का मार्ग क्षतिग्रस्त

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के भुक्की गांव में अतिवृष्टि से कृषि उपज के परिवहन के लिए बनी ट्रॉली का करीब 100 मीटर पहुंच मार्ग और बेस के समीप स्थित सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे ग्रामीणों के सामने आलू, राजमा, चौलाई समेत अन्य कृषि एवं बागवानी उत्पादों के परिवहन की समस्या खड़ी होने लगी है। इस संबंध में ग्राम प्रधान ने कृषि विभाग के सचिव को पत्र भेजकर जल्द निर्माण कार्य कराने की मांग की है। ग्राम प्रधान महेंद्री रावत ने बताया

कि गांव में ट्रॉली के माध्यम से ग्रामीण अपनी कृषि उपज और अन्य उत्पादों का परिवहन करते हैं। ट्रॉली तक पहुंचने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त होने और बेस के समीप सुरक्षा दीवार टूटने से इसके संचालन में दिक्कत आ सकती है। बताया कि अक्तूबर से कृषि उपज के परिवहन का काम शुरू होना है। ऐसे में मार्ग और सुरक्षा दीवार की मरम्मत समय पर नहीं हुई तो ग्रामीणों को अपनी उपज के परिवहन और विपणन में कठिनायियों का सामना करना पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका मध्यावधि चुनाव : गैर-अमेरिकी मतदाताओं की पहचान पर गरमाई राजनीति, 20 हजार डाक मतपत्रों पर भी विवाद

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने कैलिफोर्निया की सभी काउंटियों के चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर मतदाता सूची में शामिल संभावित गैर-अमेरिकी नागरिकों की पहचान करने और उनके डाक मतपत्र अलग रखने की मांग की है। शुक्रवार को भेजे गए इन पत्रों में चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों को संघीय स्तर पर कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है। यह कार्रवाई 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव से करीब डेढ़ सप्ताह पहले की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन देश के अलग-अलग राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के मतदान की जांच के लिए अभियान चला रहा है। हालांकि, कई राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में शामिल होने या मतदान करने के दावों पर सवाल उठे हैं। कैलिफोर्निया में चुनाव के लिए डाक मतपत्रों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इसमें 20 हजार से अधिक डाक मतपत्रों की गिनती अस्थायी रूप से रोकने की मांग की गई थी।

इसाइल चुनाव 2026 : ईरान से गाजा तक सख्त सैन्य कार्रवाई के दम पर वोट मांग रहे नेतन्याहू, दांव पर सियासी साख

तेल अवीव, एजेंसी। इसाइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सियासी छवि बदलने की हरसंभव कोशिश की है। पहले खुद को सुरक्षा और स्थिरता का भरोसेमंद नेता बताते थे। अब सख्त सैन्य कार्रवाई व दुश्मनों के खिलाफ आक्रामक रुख को अपनी पहचान बना रहे हैं। दरअसल, चुनाव से पहले उनका लक्ष्य मतदाताओं को यह भरोसा दिलाना है कि देश की सुरक्षा के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। नेतन्याहू (77) इसाइल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता हैं। वे अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे देश में समर्थन जुटा रहे हैं, जो युद्ध, राजनीतिक धुंधीकरण और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता से गुजर रहा है। दरअसल, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने नेतन्याहू की मिस्टर सिवयोरिटी वाली छवि को बड़ा झटका दिया था। उसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे। हमले से पहले नेतन्याहू को ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था, जो बड़े सैन्य टकराव से बचते थे। उनकी सुरक्षा नीति सीमित अवधि के युद्ध और रक्षात्मक कार्रवाई पर केंद्रित थी। लेकिन 7 अक्टूबर के बहाक उन्होंने अपना रुख बदल लिया। इसाइल ने गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती विद्रोहियों और अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। नेतन्याहू ने इसे दुश्मनों को कमजोर करने और इसाइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की रणनीति बताया।

कार्बन पर बदले बोल : अब गोयल ने कहा- पर्यावरण बचाने में यूरोप आगे, बिगाड़ने में सब जिम्मेदार नहीं

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। जलवायु बिगाड़ने का जिम्मेदार कौन है, अजोन परत को किसने नुकसान पहुंचाया और आसमान में इतना कार्बन किसने भेजा बर्लिन ग्लोबल डायलॉग के मंच से बृहस्पतिवार को यह तीखा सवाल उछलने वाले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शुक्रवार को यूरोप का शुक्रिया अदा करते दिखे। दौरे के समापन पर उन्होंने कहा कि कल जो कहा वह तथ्य था, पर यह भी सच है कि पर्यावरण के मामले में यूरोप बहुत से देशों से आगे है और भारत के साथ उसकी साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। सवाल की धार और शुक्रिया की मिठास, बर्लिन में भारत की कूटनीति के दोनों रंग एक साथ दिखे। बृहस्पतिवार की चर्चा में जब गोयल ने पूछा कि कार्बन किसने भेजा, तो साथ बैठे एक वक्ता ने कहा, हम सभी ने। गोयल ने तुरंत टोका, नहीं, माफ कीजिए। उन्होंने याद दिलाया कि दुनिया की 17 फीसदी आबादी वाला भारत वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में तौन फीसदी से भी कम हिस्सेदार है। उन्होंने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते में तय हुआ था कि दशकों तक जलवायु बिगाड़कर फल चखने वाले विकसित देश ज्यादा कीमत चुकाएंगे और विकासशील देशों की मदद करेंगे, पर 11 साल बाद भी एक पाई नहीं छिड़ी, सब वादे ही वादे हैं। गोयल ने कहा कि यूरोप ने सस्ती ऊर्जा के लिए दिन-रात कोयला जलाया, अपने विकास के लिए यह उनकी मजबूरी रही होगी, पर समस्या वहीं से शुरू हुई। शुक्रवार को सूर सुंतुलित था। गोयल ने कहा कि पेरिस समझौते के बाद भारत ने अपने लक्ष्य समय से पहले पार किए हैं और यूरोप इसकी कद करता है।

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी; फ्रांस, इटली, स्पेन से ब्रसेल्स तक कैसा मंजर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस समेत कईयूरोपीय देशों में युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। फ्रांस की राजधानी पेरिस व अन्य शहरों में शनिवार को युवाओं और श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बड़ा प्रदर्शन किया गया। दिनभर प्रदर्शन आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा लेकिन शाम होते-होते कईजगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। हालांकि, पिछले हफ्ते की तुलना में स्थिति अपेक्षकृत शांत रही। उधर, इटली में पीएम जियाँजिया मेल्नी के खिलाफ युवाओं का आक्रोश भड़क उठा है।

लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरे आक्रोशित : फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में लगभग 4.1 लाख लोगों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। वहीं, जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (जीसीटी) यूनियन का दावा है कि यह संख्या करीब 8 लाख थी। फ्रांसीसी गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से कई तरह के हथियार जब्त किए गए हैं। इस बार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए देशभर में 70,000 पुलिसकर्मियों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर, बख्तरबंद गाड़ियां और वॉटर कैनन तैनात किए गए थे।

रोम और मिलान में कैसा मंजर : इटली के मिलान में प्रदर्शनकारियों ने रात में प्रदर्शन किया। ज्यादातर युवा प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'सरकार के झूठ को ना' जैसे बैनर देखे गए। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने इटली के ऊर्जा नियामक के बाहर खाद फेंक



पर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने एक प्रतीकात्मक, बिजली बिल भी जलाया, जिसकी तस्वीरें स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित हुईं। फैशन के लिए मशहूर मिलान में ओमेगा, टिफनी और गुच्ची सहित कई लक्जरी बूटीक दुकानों को सामने की खिड़कियों को बंद करना पड़ा। एप्पल स्टोर भी बंद रहा। हलात सामान्य होने पर दूसरी दुकानें खुलीं लेकिन बड़े बांड्स के आउटलेट बंद दिखे। दरअसल, पिछले सप्ताह के अंत आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वाले लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने शहर के केंद्रीय डुओमो चौक से निकलने वाली सड़कों पर स्पीकर्स, स्पोर्ट्स वियर और खेल के सामान को निशाना बनाया था।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा : इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्कस मैक्सिमस और

पियाजा डेल पोपोलो के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबकन घुसने की कोशिश की, लेकिन गाड़ों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सौ छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ किया कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धूर-दक्षिणपंथी छत्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकार्डो पोंजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकोश छत्र पड़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुद्दों की आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया

केंद्र के पास लगभग 150 प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पश्चिमी शहर नांत में हजारों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बाड़ेबंदी को तोड़कर शहर के केंद्र में प्रवेश किया। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया। भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पटाखे और पत्थर फेंके। अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर चेहरा ढँककर प्रदर्शन करने पर रोक के बावजूद नकाबपोश प्रदर्शनकारी उपद्रव मचाते दिखे।

दक्षिणपंथी रैली के विरोध में उतरे लोग : ऑरेंलियंस शहर में मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी के सम्मेलन के खिलाफ हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला। ली पेन छह महीने बाद होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में इमैनुएल मैक्रों की जगह लेने के लिए अभियान की शुरुआत कर रही हैं और सर्वे बताते हैं कि वे दौड़ में सबसे आगे हैं। प्रदर्शनकारी मैक्रों और ली पेन दोनों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार भीड़ नारे लगाए- मैक्रों इस्तीफा दो, ली पेन जेल जाओ। पुलिस ने ऑरेंलियंस में प्रदर्शनकारियों की संख्या 11,000 बताई, जबकि आयोजकों का दावा था कि 26,000 लोग मौजूद थे। मजदूर यूनियनों, वामपंथी दलों और छत्र संगठनों सहित लगभग 50 संगठनों ने ली पेन की प्रवासी-विरोधी नीति के खिलाफ इस प्रदर्शन का आह्वान किया था।

ईरान पर कभी भी बरस सकते हैं अमेरिकी बम: डोनाल्ड ट्रंप बोले- कल हो सकता है हमला, डील का रास्ता भी खुला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संकेत दिया कि अमेरिका ईरान पर जल्द हमला कर सकता है। हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच बड़े समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया। प्लोउरिडा में मिडटर्म चुनाव के लिए वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमला कल भी हो सकता है। लेकिन यह भी संभव है कि दोनों देश किसी अच्छे समझौते पर पहुंच जाएं।

ईरान पर हमले से जुड़े सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि क्या किसी को लगता है कि वह पहले से बता देंगे कि आगे क्या करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या वह समझौते की शर्तों पर कायम रहेगा। उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई और बातचीत, दोनों विकल्प खुले रखे हैं। ट्रंप ने पश्चिम एशिया में अपनी सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए अमेरिकी नौसेना और सेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सभी लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया है और उसके 259 जहाज समुद्र में डूबे दिए गए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान अब रिकॉर्ड तोड़ महंगाई जैसी समस्याओं से जूझ रहा



है। हालांकि, ये आंकड़े और दावे ट्रंप के बयान पर आधारित हैं। **ईरान ने प्रस्ताव की खबरों को नकारा :** इस बीच, ईरान से जुड़ी तत्सीम समाचार एजेंसी ने दावा किया कि तेहरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के सामने कोई नया प्रस्ताव नहीं रखा है। ईरान ने उस कथित प्रस्ताव को भी खारिज किया, जिसमें अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने के बदले होमुज जलडमरूमध्य खेलने की बात कही गई थी। प्रेस टीवी के मुताबिक, ईरानी सूत्रों ने सऊदी अरब के एक मीडिया संस्थान की इस खबर को झूठा और मनगढ़ंत बताया। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इसका समाधान निकल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार करेगा। अमेरिकी राजनीति पर बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई शहरों और राज्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने इस बयान के दौरान कोई विस्तृत सबूत पेश नहीं किया।

ट्रंप के बॉलरूम-रोज गार्डन पर ओबामा का तंज: कहा- व्हाइट हाउस ऐसा जैसे सद्दाम हुसैन ने खोल ली चीजकेक फैक्ट्री

ओहायो, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा है। ओहायो में मध्यावधि चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान ओबामा ने ट्रंप के सजावट और निर्माण संबंधी फैसलों का मजाक उड़ाते हुए कहा कि व्हाइट हाउस ऐसा दिखने लगा है, जैसे इराक के पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने वहां चीजकेक फैक्ट्री खोल ली हो। ओबामा ने ट्रंप के निर्माण कार्यों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि उनका ध्यान घर की मरम्मत और सजावट पर ज्यादा है। उन्होंने मजाक में कहा कि ट्रंप को होम इम्प्रूवमेंट से जुड़े टीवी कार्यक्रम में होना चाहिए। बराक ओबामा ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि आपने ध्यान दिया है या नहीं, लेकिन उनका ध्यान घर के नवीनीकरण पर काफी ज्यादा है। उन्हें एचजीटीवी पर होना चाहिए। वह व्हाइट हाउस से भी बड़ा बॉलरूम बना रहे हैं।' रोज गार्डन में पक्की सड़क बनवा दी, साउथ लॉन में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए जगह बना दी और हर तरफ सोना ही

सोना है। आखिर इस सोने का क्या चक्कर है हर चीज में और ज्यादा सोना।' ओबामा ने मिडवेस्ट में ट्रंप और उनके सहयोगियों पर साधा निशाना पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रिपब्लिकन सहयोगियों पर निशाना साधते हुए उन पर क्रूरता और शालीनता की कमी का आरोप लगाया। वह मध्यावधि चुनावों के लिए चल रहे तीखे राजनीतिक संघर्ष के बीच डेमोक्रेटिक मतदाताओं को लामबंद करने के लिए मिडवेस्ट के दो अहम चुनावी राज्यों में पहुंचे। ओहायो में ओबामा ने सबसे पहले रिपब्लिकन पार्टी के गवर्नर पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी पर निशाना साधा। रामास्वामी ने अपने उस विज्ञापन अभियान का बचाव किया है, जिसमें उनकी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी डॉ. एमी एक्टन की अलगा रह रही मां को दिखाया गया है। ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस विज्ञापन का समर्थन किया है, जबकि ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन समेत राज्य के कई रिपब्लिकन नेताओं ने इसे हटाने की मांग की है।

यूएन में भारत बोला: पाकिस्तान दुष्प्रचार में लिस, हम अल्पसंख्यकों के अधिकार पर प्रतिबद्ध, कश्मीर पर क्या जवाब

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार फैलाने के लिए पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। भारत ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को खाली करने की मांग भी की। इसके साथ ही, भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने नागरिकों के कल्याण पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सैन्य निर्देशों पर काम



करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पुरी ने भारत की अल्पसंख्यक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा राज्यों का संप्रभु कर्तव्य है। भारत की सांविधानिक सुरक्षाएं धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विविधता को दर्शाती हैं। भारतीय राजनयिक ने यह

भी रेखांकित किया कि अल्पसंख्यकों ने भारत के राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 23 अक्टूबर को भारत ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान के व्यवहार पर भी उसे फटकारा था। भारत ने इस्लामाबाद पर कमजोर समुदायों की रक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया। **क्या पाकिस्तान ने ह मंच का दुरुपयोग किया :** भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ने अनुमान के मुताबिक दुष्प्रचार के लिए मंच का दुरुपयोग किया। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। पुरी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को खाली करने की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने

की सलाह दी। भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा को राज्यों का संप्रभु कर्तव्य बताया। भारत ने 23 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र में धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान के व्यवहार पर उसे लताड़ा। भारत ने इस्लामाबाद पर कमजोर समुदायों की रक्षा न करने का आरोप लगाया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के उपचार पर नई दिल्ली को उपदेश देने का प्रयास कर रहा है। प्रथम सचिव भाविका मंगलानंद ने COVID-19 महामारी के दौरान धार्मिक भेदभाव पर एक रिपोर्ट पर सवाल उठाया। उन्होंने आतंकवादियों के अंतिम संस्कार अधिकारों की वकालत करने वाले रिपोर्ट के दृष्टिकोण पर भी आपत्ति जताई।

कीव, एजेंसी। अमेरिकी उद्योगपति और सेसेक्स के प्रमुख एलन मस्क ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना स्टारलैंक का इस्तेमाल ऐसे ड्रोन हमलों के लिए कर रही थी, जिनका मकसद लोगों की जान लेना था। उन्होंने कहा कि यह स्टारलैंक की सेवा की शर्तों के खिलाफ है और इस सुविधा में मौजूद खामों को पिछले हफ्ते ही दूर कर दिया गया। मस्क के मुताबिक, स्टारलैंक एक व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल इस तरह के हमलों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की रक्षा के लिए स्टारलैंक बेहद जरूरी है।

स्टारलैंक के इस्तेमाल पर मस्क ने उठाए सवाल : मस्क ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि स्टारलैंक को आम लोगों और संस्थानों की संचार जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इसका इस्तेमाल आक्रामक ड्रोन हमलों में करना सही नहीं है। उनके अनुसार, यूक्रेनी सेना ने सेवा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए इसका इस्तेमाल लोगों को मारने के लिए किया। मस्क ने दावा किया कि इस ग़ुब्बे को पिछले सप्ताह ठीक कर दिया गया है।

स्टारलैंक और स्टारशील्ड में क्या है अंतर : मस्क ने स्टारलैंक और स्टारशील्ड को दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बताया। उनके मुताबिक, स्टारलैंक एक व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाला अलग सिस्टम है। उन्होंने कहा

कि स्टारशील्ड का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है, यह अमेरिकी सरकार का फैसला है। मस्क की इस टिप्पणी के बीच दोनों प्रणालियों की भूमिका और सैन्य इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

यूक्रेन की रक्षा में स्टारलैंक की अहम भूमिका : मस्क ने यह भी कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए स्टारलैंक बेहद महत्वपूर्ण है। उनके दावे के मुताबिक, फिलहाल यह ऐसा संचार माध्यम है, जिसे जाम करना या पूरी तरह नष्ट करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन में स्टारलैंक की सेवा बंद हो जाए, तो वहां की सेना की अग्रिम मोर्चे पर स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मस्क ने यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरुआती दिनों में रूस ने यूक्रेन के संचार नेटवर्क को निशाना बनाया था। ऐसे समय में स्टारलैंक ने यूक्रेन को आपसी संपर्क बनाए रखने में मदद की थी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर मस्क ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जो युद्ध जारी रखने की बात करते हैं, लेकिन उसका व्यावहारिक समाधान नहीं बताते। मस्क ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों से सख्त नफरत है, जो लगातार खून-खराबे को बढ़ावा देते हैं। उनकी इस टिप्पणी से साफ है कि वह युद्ध को लेकर अपनी पुरानी विरोधी राय पर कायम हैं। मस्क ने शुरुआत को एक और दावा करते हुए कहा कि रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन को दो जा रही आर्थिक मदद का कुछ हिस्सा कथित तौर पर अलग-अलग माध्यमों से अमेरिका वापस पहुंचाया जा रहा है।

अमेरिका ने किया हमला तो समुद्र के नीचे बिछी तारें काट देगा ईरान, दुनिया के लिए होगा कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच आठ महीने पहले शुरू हुआ संघर्ष फिलहाल थमा हुआ है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव की आहट के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर फिर हमले की कोशिश नहीं हुई है। हालांकि, ट्रंप बार-बार तेहरान और उनके नेतृत्व को खस करने की धमकियां दे रहे हैं। नतीजतन जहां एक तरफ कच्चे तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही हैं, वहीं होमुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाली अहम संसाधनों की आपूर्ति भी थमी हुई है। अब इस बीच ईरान ने सुरक्षा पर पलटवार किया है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका का एक और हमला होता

है तो उसने एक ऐसी योजना बनाई है, जिससे पूरी दुनिया के इंटरनेट पर असर पड़ सकता है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ईरान ने फारस के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर फिर हमले की कोशिश नहीं की। हालांकि, ट्रंप बार-बार तेहरान और उनके नेतृत्व को खस करने की धमकियां दे रहे हैं। नतीजतन जहां एक तरफ कच्चे तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही हैं, वहीं होमुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाली अहम संसाधनों की आपूर्ति भी थमी हुई है। अब इस बीच ईरान ने सुरक्षा पर पलटवार किया है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका का एक और हमला होता



डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे डेटा सेंटर और एआई सुविधाओं को भी निशाना बनाया जा सकता है। ईरानी सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अगर उन पर हमला हुआ तो पलटवार की कोई सीमा नहीं रहेगी। समुद्र के नीचे के केबल्स से लेकर अमेरिका के गुप्त सैन्य ठिकानों तक को निशाना बनाया जाएगा।

ईरान ने होमुज में बिछी अंडरसी केबल्स काटने की धमकी क्यों दी : ईरान का पहला मकसद अमेरिका और इसाइल को दोबारा सैन्य हमला करने से रोकना है। दरअसल, खाड़ी देशों, जैसे- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, आदि में अमेरिका की माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और गूगल जैसी प्रमुख टेक कंपनियों के साथ मिलकर एआई, डेटा सेंटर

और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश किया है। ईरान का मानना है कि ये खाड़ी देश और टेक कंपनियां अपने अरबों डॉलर के निवेश पर खतरे को देखते हुए अमेरिकी प्रशासन पर हमला न करने का दबाव बना सकती हैं। फारस की खाड़ी और होमुज जलडमरूमध्य के समुद्र तल पर कई प्रमुख केबल्स, जैसे- फैल्कन, एएई-1 और गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल बिछे हुए हैं। अमेरिका के हमले की स्थिति में ईरान इन्हीं सबसे केबल्स को निशाना बनाकर खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था, बैंकिंग और डिजिटल कनेक्टिविटी को लंबे समय के लिए प्रभावित करने की योजना बना रहा है।

टेलीकम्युनिकेशन रिसर्च फर्म निवेश किया है। ईरान का मानना है कि ये खाड़ी देश और टेक कंपनियां अपने अरबों डॉलर के निवेश पर खतरे को देखते हुए अमेरिकी प्रशासन पर हमला न करने का दबाव बना सकती हैं। फारस की खाड़ी और होमुज जलडमरूमध्य के समुद्र तल पर कई प्रमुख केबल्स, जैसे- फैल्कन, एएई-1 और गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल बिछे हुए हैं। अमेरिका के हमले की स्थिति में ईरान इन्हीं सबसे केबल्स को निशाना बनाकर खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था, बैंकिंग और डिजिटल कनेक्टिविटी को लंबे समय के लिए प्रभावित करने की योजना बना रहा है।

दफ्तर में खान-पान का रखें विशेष ध्यान

आज के इस बदलते परिवेश में जहां हर महिला, पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। वहीं दूसरी ओर इस वजह से वह कई बीमारियों के चपेट में भी लगातार आती जा रही है। आज हर महिला और पुरुष को जीवन ज्यादातर दफ्तर में ही बीतता है। शायद यही कारण है कि दफ्तर का व्यस्त शेड्यूल, शिफ्ट ड्यूटी और काम का बहुत ज्यादा दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। ऐसे में दफ्तर के दौरान खान-पान का सही खयाल आपको स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है, आइए जानते हैं दफ्तर में क्या खाएं और क्या ना खाएं।

कैसा हो आहार

दफ्तर में आपकी प्राथमिकता काम है न की आपका आहार, इसलिए आपका आहार ऐसा होना चाहिए, जो आपको ताकत दे, न कि ऐसा, जिसे खाकर आपको नींद आए। दफ्तर में लंच के दौरान अपनी प्लेट को न भरें। सही मात्रा में संपूर्ण आहार लें। साथ ही दफ्तर में लंच कभी भी छोड़ें नहीं। ऐसा करने से आपका ध्यान काम पर नहीं, बल्कि खाने पर ही लगा रहेगा।

अपने आहार में इन बातों का ध्यान रखें: भोजन में सलाद जरूर लें, शरीर में ऑक्सीजन को कमी की समस्या से बचने के लिए भोजन में ज्यादा से ज्यादा सलाद का प्रयोग करें। सलाद और अंकुरित अनाज हल्का आहार होता है, जिसका सेवन आपको नींद से दूर रखता है और दफ्तर में काम के दौरान आपको सक्रिय भी रखता है।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है दही

दही के रोजाना सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। दही के बैक्टीरिया तथा पोषक तत्व शरीर के लिए एंटीबायोटिक का कार्य करते हैं और रोगाणुओं से लड़ने की क्षमता भी बढ़ाते हैं। इससे आप बीमारियों से दूर रहते हैं।

ताजे फल रखेंगे आपको तराताजा

ताजे फल न केवल आपको तराताजा रखते हैं, बल्कि आपकी सेहत को फिट भी रखते हैं। ताजे फलों का सेवन आपके दिन को बेहतर बनाता है। दफ्तर में छोटे से ब्रेक के दौरान एक फल का सेवन आपको स्वस्थ रखता है और काम को ऊर्जा से भर देता है।

नाइट शिफ्ट में रखें इन बातों का ध्यान

रात के वक्त बिना मिर्च-मसाले के आहार का सेवन करें, इससे अल्सर, कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याओं से दूर रहेंगे।

नाइट शिफ्ट के दौरान एल्कोहल और सिगरेट का सेवन न करें।

रात में काम के दौरान खुद को रिलेक्स करने के लिए संगीत सुनें और मेडिटेशन करें।

नियंत्रित रखती हैं ग्रीन टी

इसके सेवन से कई बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सकता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। ग्रीन टी में एमीनो एसिड होता है, जो एंजाइम और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है। दफ्तर में जब भी मौका मिले ग्रीन टी जरूर पिएं।

कार्बोहाइड्रेट कम फाइबर ज्यादा

फाइबरयुक्त आहार जैसे साबुत अनाज ग्रेन न्यूट्रेंट्समीटर सेरोटोनिन के उत्पाद को बढ़ाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढ़ाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटामिन और फाइटीकेमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। जबकि कार्बोहाइड्रेट के सेवन से आपको नींद आती है, इसलिए दफ्तर में ज्यादा रोटी और चावल का सेवन न करें।

स्मोकिंग के बाद सौंफ जरूर खाएं

स्मोकिंग आपके स्वास्थ्य और काम, दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, इसलिए काम के दौरान स्मोकिंग से बचने के लिए मुंह में इलायची या सौंफ रखें।

इससे आपकी स्मोकिंग भी कम होगी और ये चीजें आपको नुकसान भी नहीं देंगी।

पानी ज्यादा पीएं

दिन भर में जितना हो सके उतना पानी पिएं, क्योंकि आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे तो ताजगी भर महसूस करेंगे और आपको तनाव के कारण सिरदर्द जैसी परेशानियां भी नहीं होंगी। भरपूर मात्रा में पानी पीने से आपका सिस्टम साफ रहता है और आप तनाव से कौंसो दूर रहते हैं। नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के रस का भी सेवन कर सकते हैं।



काजल से बनाएं आंखों को खूबसूरत

अक्सर लोग किसी महिला की खूबसूरती बयां करते वक्त उसकी गमगीन आंखें जरूर देखते हैं और हर खूबसूरत आंखें लोगों को विशेष तौर पर आकर्षित करती हैं। तो यह जरूरी है कि आप अपनी लम्बा के साथ-साथ अपनी आंखों पर भी विशेष तौर पर ध्यान दें। आंखों की खूबसूरती के लिए काजल और आईलाइनर आज मेकअप का अहम हिस्सा बन गए हैं। लेकिन इस पर भी वक्त की मार पड़ी है। जिसके साथ-साथ काजल के रूप भी बदल गए हैं। आपकी आंखें खूबसूरत हैं और उनकी खूबसूरती में और इजाफा आप काजल और आईलाइनर से कर सकती हैं। कैसे चुनें अपना आई मेकअप और इस्तेमाल के दौरान किन बातों का ध्यान रखें, आइए जानते हैं।

पेंसिल और रेक्टेबल आईलाइनर: ये सबसे कॉमन और ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाले आईलाइनर और काजल हैं। इनमें प्रयोग करना भी बेहद आसान है, इसलिए युवतियों को ये ज्यादा पसंद आते हैं। आसानी से इन्हें आंखों के अंदर से बाहर की तरफ लगाया जा सकता है। पेंसिल की मदद से आप किसी भी तरह का आकर्षक मेकअप कर सकती हैं।

जेल: अगर काजल की कोई भी स्टाइल ढूंढ रही है तो जेल सबसे बढ़िया विकल्प हो सकता है। यह बेहद स्मूद व हल्का होता है। काजल लगाते समय आपसे गड़बड़ी भी हो गई तो इस काजल के साथ आसानी से उसे मैनेज कर सकती हैं। जेल काजल की मदद से आई मेकअप में तमाम तरह के प्रयोग कर सकती हैं।

लिक्विड: मेकअप के कुछ बेहतरीन तरीके वीसबी-

चालीसवीं सदी से प्रेरित होकर अभी तक चलन में हैं। बाकी सभी काजलों की तुलना में यह बहुत साधारण है। इसे लगाने में बहुत कम समय लगता है, इसलिए महिलाओं में इसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

क्रोम: क्रोमी काजल और आईलाइनर का कोई जवाब ही नहीं है। यह काजल आंखों की प्राकृतिक खूबसूरती को और निखारता है। आंखों पर लगाने के साथ ही यह काजल सूख जाता है और आंखों की खूबसूरती बढ़ा देता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह काजल डेरो रंग व केरायटी के साथ बाजार में मौजूद है।

काजल: आंखों को सजाने का यह सबसे पुराना और सस्ता साधन है। यह केवल आंखों को ही नहीं सजाता, बल्कि आपकी आंखों को कई तरह के इफेक्शन से भी बचाता है।

कोल: यह काजल पेंसिल व रेक्टेबल आईलाइनर के समान ही है। इन दोनों के मुकाबले यह थोड़ा ज्यादा गाढ़ व क्रोमी है। गाढ़ होने के कारण आंखों का सबसे सुंदर मेकअप इसी काजल से निखर कर आता है। कोल काजल आंखों की रोनी बॉटलमाइनों पर आउटलाइन करने के लिए भी सबसे अच्छा माना जाता है।

सावधानी जरूर बरते

बाजार में इन दिनों काजल व आईलाइनर की डेरो केरायटी और ब्रांड मौजूद हैं, लेकिन आपको अपने ऊपर फबने वाला एक बेहतरीन क्वालिटी का आईलाइनर और काजल पसंद करना है। इन दिनों ब्रांड के नाम पर घटिया व नकली काजलों की भरमार है। ज्यादा पुराना काजल कदाई इस्तेमाल न करें।



अच्छी सेहत के लिए जरूरी है पौष्टिक आहार

अक्सर यह देखा जाता है कि कई लोग कितना भी खा लें उनकी सेहत पर जरा भी असर नहीं पड़ता और कई लोग अपनी सेहत में अंतर लाने के लिए तरह-तरह के उपाय करते रहते हैं। लेकिन हम कभी भी यह नहीं सोचते कि जिसका हम प्रतिदिन सेवन करते हैं, उसमें पौष्टिकता कितनी है। आइए कुछ रोचक तथ्यों पर नजर डालें जो हमारे भोजन की पौष्टिकता और स्वाद दोनों को ही सम्पूर्ण मात्रा में बढ़ा सकते हैं। सेहत और सुंदरता दोनों के लिए यह जानकारीयां उपयोगी हैं-

क्या आप जानते हैं, खाने-पीने की चीजों में शुगर की कितनी मात्रा होनी चाहिए। आप यह जान लें कि 200 मिली कोला में लगभग 22 ग्राम शर्करा होती है, जबकि इतनी ही चाँकलेट सोया मिल्क में 10 ग्राम शर्करा होती है। मार्केट में मौजूद स्मॉल साइज के 200 मिली कप में 21 ग्राम शर्करा होती है। इंस्टैंट शुगर से मोटी चाय को 200 मिली मात्रा में 21 ग्राम शर्करा होती है।

महिलाएं अक्सर घर के कामकाज में अपना सुबह का नाश्ता भूल जाती हैं। ऐसा करना ठीक नहीं है। जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करने की रूटीन बना लेते हैं, उनमें टाइप-2 डायबिटीज की आशंका अधिक हो जाती है।

खाना बनाने समय कुछ बातों का खयाल रखें। मीठ को धीमे-धीमे और कम आंच पर पकाएं। कोशिश करें कि स्टीम करके पकाई जाने वाली चीजों को फ्राई या ग्रिल नहीं करें। डाइट संबंधित ऐसे टिप्स आपको जवां रखने में मददगार होंगे।

नाश्ते में साबुत अनाज को जरूर शामिल करें। इसमें पोलिफिनॉल नामक एंटी ऑक्सीडेंट काफी मात्रा में होता है।

पापकॉर्न को इस मामले में काफी स्मार्ट माना जा सकता है। इसमें दूसरे प्रोसेस्ड फूड्स जैसे चिप्स की तुलना में 5 गुना अधिक एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है।

अलसी में घुलनशील और अघुलनशील 2 तरह के फाइबर होते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है। इसे खाने में कई तरह से प्रयोग करें। इसे फलों के स्मूदी में मिलाकर करके पिएं या पकी सब्जियों में डालकर बनाएं। आटे में मिलाकर इसकी रोटियां भी बना सकती हैं।

शहर के अच्छे-अच्छे स्टोर्स में सोया मिल्क आसानी से मिल जाता है। यह फ्लेवर वाला और बिना फ्लेवर के भी मिलता है। अगर आप प्रिजर्वेटिवरहित सोया मिल्क को अपने खाने में शामिल करना चाहती हैं, तो सोया को रातभर के लिए पानी में भिगोएं। दूसरे दिन इसे ग्राइंड करके इसका दूध निकाल लें। एक गिलास सोया मिल्क में प्रोटीन की मात्रा लगभग उतनी ही होती है, जितनी कि एक गिलास गाय के दूध में होती है। 200 मिली सोया मिल्क में 80 कैलोरी और लगभग 6.6 ग्राम प्रोटीन होता है।

रुड़की में अवैध तमंचों की खरीद—फरोख्त का खुलासा, दो युवक गिरफ्तार

रुड़की। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और हरिद्वार पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध असलहों की खरीद—फरोख्त के मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 315 बोर के दो अवैध तमंचे बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही अल्टो कार को भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। एसटीएफ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संगठित अपराध, इनामी अपराधियों और अवैध हथियारों की तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी ऋम में एसटीएफ देहरादून की टीम को गोपनीय सूचना मिली, जिसके आधार पर रुड़की के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान अल्टो कार में सवार दो युवकों को अवैध तमंचों के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान
पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कार्तिक (21) पुत्र अमित कुमार, निवासी कृष्णा नगर,



गली नंबर नौ, गंगनहर, हरिद्वार और हर्ष (22) पुत्र जगपाल सिंह, निवासी आजाद नगर, पनियाला रोड, थाना गंगनहर, हरिद्वार के रूप में हुई है।

पैसों के लालच में बेचने आए थे तमंचे

एसटीएफ के मुताबिक, प्रारंभिक पृष्ठताछ में आरोपियों ने पैसों के लालच में तमंचे बेचने के उद्देश्य से आने की बात बताई। उन्होंने पुलिस को बताया कि हथियार खरीदने वाला व्यक्ति मौके पर ही मिलने वाला था। हालांकि, आरोपियों ने कथित खरीदार की पहचान के संबंध में जानकारी होने से इनकार किया।

पुलिस अब इस मामले में कथित खरीदार के संबंध में जानकारी जुटा रही है, ताकि अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

आम्स एक्ट के तहत कार्रवाई

दोनों आरोपियों को खिलाफ आम्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। एसटीएफ का कहना है कि अवैध हथियारों की तस्करी और खरीद—फरोख्त में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए रामलीला मैदान में भूमि पूजन

उत्तरकाशी। सोम्य काशी ब्राह्मण सभा की ओर से प्रस्तावित पंचकुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण गो प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को रामलीला मैदान में समिति पदाधिकारियों ने विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया। इस दौरान ब्राह्मणों ने हवन-यज्ञ कर आयोजन की सफलता और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। समिति के अध्यक्ष बुद्धि प्रसाद नौटियाल ने बताया कि 18 से 24 नवंबर तक सात दिवसीय महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। यज्ञमंडल बनने से पूर्व भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही इस धार्मिक अनुष्ठान को भव्य रूप देने के लिए तैयारियों की जा रही है।

ऋषिकेश के 18 वार्डों में 135 करोड़ से बिछेगा आधुनिक पेयजल नेटवर्क

ऋषिकेश। नगर निगम क्षेत्र के 18 वार्डों में पेयजल की बरबादी और बार-बार सड़कों की खोदाई की समस्या से निजात दिलाने के लिए 135 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पेयजल नेटवर्क विकसित किया जाएगा। जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू से वित्त-पोषित इस योजना के तहत चार दशक पुरानी पेयजल लाइनों को बदलकर 105 किमी लंबी नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। पूरा नेटवर्क सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एंकिंजेशन (स्काड) सिस्टम से लैस होगा जिससे पेयजल लाइनों में लीकेज और तकनीकी खराबी का पता आसानी से लगाया जा सकेगा। उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (यूयूएसडीए) की ओर से तैयार इस योजना को आगामी 35 वर्षों की आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। योजना के लिए 135 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हो चुका है। इसके निम्नान्वयन के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं और निर्माण

एजेंसी के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यूयूएसडीए के अनुसार, कुंभ मेले के बाद योजना का निर्माण कार्य शुरू करया जाएगा। योजना के तहत पेयजल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए छह नए नलकूप स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा 1700–1700 किलोलीटर क्षमता की दो और 500 किलोलीटर क्षमता की एक नई पेयजल टंकी का निर्माण किया जाएगा। पुरानी टंकियों की मरम्मत भी योजना में शामिल है। पेयजल लाइनों का व्यास न्यूनतम 100 मिलीमीटर और अधिकतम 450 मिलीमीटर रखा जाएगा, ताकि जरूरत के अनुसार पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। योजना की प्रमुख विशेषता पेयजल आपूर्ति नेटवर्क का कंप्यूटराइजेशन और सेंसर आधारित निगरानी व्यवस्था है। स्काड सिस्टम के माध्यम से पाइपलाइन में लीकेज या अन्य तकनीकी खराबी वाले स्थान की पहचान करना आसान होगा।

इससे खराबी का पता लगाने के लिए बार-बार सड़कों की खोवाई करने की जरूरत कम होगी। साथ ही पेयजल की बरबादी रोकने और आपूर्ति व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में भी मदद मिलेगी। योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र के करीब 14 हजार घरों को आधुनिक पेयजल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इससे लगभग 60 हजार लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। योजना में वार्ड एक से 11, वार्ड 13 से 16 और वार्ड 28 को शामिल किया गया है। इसके अलावा वार्ड 14, 17 और 27 के अंशिक हिस्सों में भी काम किया जाएगा। निर्माण एजेंसी के चयन के बाद उसे सबेें के लिए तीन का समय दिया जाएगा। इस दौरान योजना में पहले से चिह्नित कार्यों के साथ क्षेत्र की अन्य जरूरतों का भी आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर आवश्यक कार्यों को शामिल कर पेयजल नेटवर्क विकसित किया जाएगा।

सैन चौकी-जुड़ी के बीच सड़क बनाने की मांग

जौलीग्रॉंट। सैन चौकी-जुड़ी के बीच सड़क पक्की न होने के कारण लोगों को नुझी और बारिश के मौसम में कीचड़ के बीच से होकर आवाजही करनी पड़ रही है। इस मार्ग का सुधारीकरण मुख्यमंत्री की घोषणा में भी शामिल है। दशकों से लोग सैन चौकी के आसपास निवास कर रहे हैं। जबकि जुड़ी में नई बसावट हुई है। जुड़ी के लोगों को कच्चा मार्ग होने से आवाजही करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन मार्ग के वन क्षेत्र में होने के कारण अभी कच्चे मार्ग का पक्कीकरण नहीं हो पाया है। इसके बाद क्षेत्रीय विधायक ने इस मार्ग को सीएम घोषणा में शामिल करवाया। अब इस मार्ग को वन विभाग की ओर से बनवाया जाना प्रस्तावित है। करीब एक किलोमीटर लंबे मार्ग को बनाने के लिए वन विभाग ने नब्बे लाख रुपए का एस्टीमेट बनाकर शासन में भेजा है जिसे मंजूरी का इंतजार है। जुड़ी गांव निवासी राजदीप सिंह बिष्ट ने कहा कि कच्चे मार्ग पर गड़े और कीचड़ के कारण आवाजही करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अखिलेश और राहुल गांधी पर बरसे सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगर निगम की ओर से आयोजित महीर्ष वाल्मीकि जयंती की शोभायात्रा के कार्यक्रम में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कह रहे हैं, जबकि यहां कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह अखिलेश यादव के बयान से सहमत है।अगर सहमत नहीं है तो उसे अपनी बात स्पष्ट करनी चाहिए। गठबंधन की मजबूरी हो सकती है, लेकिन उत्तराखंड की जनता की ऐसी कोई मजबूरी नहीं है कि वह यहां किसी को पैर जमाने की जगह



दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के मान-सम्मान और गौरव से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने मुजफ्फरनगर, मसूरी और खटीमा गोलिकॉंड का जिक्रकरते हुए कहा कि ये घटनाएं उस समय हुईं, जब अखिलेश यादव और राहुल गांधी के पिता मुख्यमंत्री थे। धामी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का जिक्र करते हुए कहा कि उनका जन्म उत्तराखंड में हुआ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन भारत की ताकत बढ़ाने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और देश की सेवा में समर्पित किया है।

एम्स में नर्सिंग अधिकारियों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

ऋषिकेश। एम्स में नर्सिंग अधिकारियों की पदोन्नति पर विवाद गहरता जा रहा है। पदोन्नति प्रक्रिया के विरोध और पदोन्नत अधिकारियों को तैनाती नहीं मिलने के मुद्दे पर नर्सिंग अधिकारी दो गुटों में बंट गए हैं। मंगलवार को दोनों गुटों के कार्यबहिष्कार करने से संस्थान की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रही। विवाद के चलते मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। एम्स प्रशासन ने बीते 10 अक्टूबर को पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक कराई थी। इसके बाद 53 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों को सहायक नर्सिंग अधीक्षक के पद पर पदोन्नति दी गई। हालांकि, इस प्रक्रिया के संबंध में एम्स विरोध शुरू हो गया और मामला दो गुटों के बीच टकराव का कारण बन गया। एम्स एससी-एसटी कर्मचारी कल्याण समिति से जुड़े नर्सिंग अधिकारियों ने पदोन्नति प्रक्रिया पर आपर्ति जताते हुए 11 अक्टूबर प्रदर्शन शुरू किया था जो बाद में अनशन में बदल गया था। उनका आरोप है कि डीपीसी में आरक्षण रेस्टर का पालन नहीं किया गया। विरोध कर रहे अधिकारियों ने पदोन्नति प्रक्रिया को निस्त करने की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार भी शुरू किया। वहीं, पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों ने डीपीसी निस्त न किए जाने की मांग के लिए अनशन शुरू कर दिया था। हालांकि, 21 अक्टूबर देर



को एम्स प्रशासन के आश्वासन पर इस गुट ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी जबकि आरक्षित वर्ग के नर्सिंग अधिकारियों का आंदोलन जारी रहा। सोमवार सुबह पदोन्नति पाने वाले नर्सिंग अधिकारियों ने भी अचानक कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। उनका कहना था कि पदोन्नति के 15 दिन बाद भी उन्हें नए पदों पर तैनाती नहीं दी गई है। इससे नाराज नर्सिंग अधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का रस्ता अपनाया। दोनों गुटों के कार्य बहिष्कार के चलते नर्सिंग सेवाओं पर बुरा असर पड़ा और एम्स में उपचार के लिए आने वाले मरीजों की मुश्किलें बढ़ गईं।

अशासकीय विद्यालयों में खुलेगा भर्तियों का पिटारा

देहरादून। प्रदेश के सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक व शिक्षणोत्तर संवर्ग में खाली पदों पर बंपर भर्ती होगी। राज्य सरकार ने चुनावी वर्ष में छात्र हितों को देखते हुए लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक हटा दी है। अब विद्यालय प्रबंधन समिति छात्र संख्या के हिसाब से अपने विद्यालयों में खाली पदों को भर सकेंगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने व विद्यालयों में आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी ऋम में सरकार ने प्रदेशभर के सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक व शिक्षणोत्तर संवर्ग के पदों पर लगी रोक को हटा दी है।

अब इन विद्यालयों में प्रबंधन समिति खाली पदों पर भर्ती कर सकेंगी। डॉ.रावत ने कहा कि कुछ विद्यालयों की प्रबंधन समिति शिक्षकों व कर्मिकों की भर्ती को लेकर हाईकोर्ट की शरण ले रही हैं, जबकि बिना पहुंचे वाले विद्यालय



अल्प शिक्षकों से ही काम चला रहे हैं। इससे सभी विद्यालयों में नियमित शिक्षकों व कर्मिकों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया है।

अशासकीय विद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया निर्धारित नियमों, मानकों और पारदर्शिता के साथ

चरस व स्मैक तस्करी के आरोपी की जमानत खारिज

ऋषिकेश। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट अजय डुंगरकोटी की अदालत ने स्मैक व चरस तस्करी के आरोपी गुरुचरण उर्फ मुन्ना का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि मामले की विवेचना जारी है और साक्ष्य संकलन की कार्रवाई शेष है। पुलिस अभिलेखों में दर्ज आरोपों और उपलब्ध सामग्री पर विचार करने के बाद अदालत ने इस स्तर पर जमानत प्रार्थना पत्र को स्वीकार करने योग्य नहीं पाया।

बीते 25 सितंबर को पुलिस ने चरस व स्मैक तस्करी के आरोप में चंद्रेश्वर नगर निवासी गुरुचरण उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना था कि नियमित चौकंग के दौरान गुजर प्लॉट के समीप एक नीले रंग की गाड़ी के पास



कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस को देखकर कुछ लोग गाड़ी लेकर भाग गए, जबकि एक व्यक्ति जंगल की ओर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। आरोपी से 435 ग्राम चरस और 14.5 ग्राम स्मैक बरामद हुईं। आरोपी की पहचान गुरुचरण उफ मुन्ना निवासी चंद्रेश्वर नगर के रूप में हुई। आरोपी ने जमानत के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दायर किया था।

बकायेदारों से शत—प्रतिशत वसूली के लिए निर्देश

कर्णप्रयाग। उत्तराखंड पाँवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) पीसी ध्यानी ने विद्युत वितरण मंडल कर्णप्रयाग के सभी विद्युत वितरण खंडों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अभियंताओं एवं सभी कर्मिकों को उत्तराखंड के सभी उपभोक्ताओं की तब समय पर शिकायतों का समाधान करने और बकायेदार उपभोक्ताओं से शत—प्रतिशत राश्वर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एमडी ने शत—प्रतिशत मीटर रीडिंग पर उपभोक्ताओं के बिल जारी करने, खराब मीटरों को प्राथमिकता पर बदले जाने तथा तत्काल बिल संशोधित करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए। वहीं सीएम हेल्प लाइन की सभी शिकायतों के सकारात्मक विजन के साथ व नियत समय पर समाधान किया जाए। बैठक में बदरीनाथ धाम एवं केदारनाथ धाम में होने वाले विद्युत कार्यों की समीक्षा भी की गई। बैठक में मुख्य अभियंता एनएस बिष्ट, अधीक्षक अभियंता गौरव शर्मा व अमिल वर्मा, अधिशासी अभियंता राहुल चाना, शैलेंद्र बिष्ट, धर्मवीर सिंह, मनोज कुमार अग्रवाल, अनुभाग अधिकारी चंद्र सिंह बुटोला आदि मौजूद रहे।

डिस्कस थ्रो में शिक्षक योगेंद्र सिंह नेगी ने जीता स्वर्ण पदक

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री चैंपियनशिप टूर्नांकी के तहत आयोजित खेल महाकुंभ का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्तरकाशी के शिक्षक योगेंद्र सिंह नेगी ने स्वर्ण पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बालिका स्कूल में तैनात नेगी ने डिस्कस थ्रो की एफ–57 कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और खेल प्रतिभा को प्राथमिकता पर बदले जाने तथा तत्काल बिल संशोधित करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए। वहीं सीएम हेल्प लाइन की सभी शिकायतों के सकारात्मक विजन के साथ व नियत समय पर समाधान किया जाए। बैठक में बदरीनाथ धाम एवं केदारनाथ धाम में होने वाले विद्युत कार्यों की समीक्षा भी की गई। बैठक में मुख्य अभियंता एनएस बिष्ट, अधीक्षक अभियंता गौरव शर्मा व अमिल वर्मा, अधिशासी अभियंता राहुल चाना, शैलेंद्र बिष्ट, धर्मवीर सिंह, मनोज कुमार अग्रवाल, अनुभाग अधिकारी चंद्र सिंह बुटोला आदि मौजूद रहे।

विदेशी भी चखेंगे प्रदेश की राजमा और हल्दी का स्वाद

देहरादून। अमेजन ग्लोबल और वॉलमार्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्मों के जरिये उत्तराखंड की हल्दी और चक्रता राजमा अब कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात के बाजारों में भी उपलब्ध होंगे। हाउस ऑफ हिमालयाज और इन कंपनियों के बीच बातचीत अंतिम दौर में है और नवंबर के अंत तक ये उत्पाद इन बाजारों में उपलब्ध हो जाएंगे।

पहला सेट हारने के बाद मेदवेदेव की दमदार वापसी

अल्माटी ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास

कजाकिस्तान, एजेसी। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने शानदार वापसी करते हुए अल्माटी ओपन 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने फाइनल में जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाशविली को 6-7 (6), 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने पहली बार अपने करियर में किसी ब्रुक ट्रू टूर्नामेंट का खिताब सफलतापूर्वक बचाने का कारनामा किया।

पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव की शानदार वापसी - अल्माटी ओपन के फाइनल में बासिलाशविली ने आक्रामक शुरुआत करते हुए मेदवेदेव को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले सेट में मुकाबला बराबरी का रहा और फैसला टाइब्रेक में पहुंचा। मेदवेदेव

के पास सेट प्वाइंट का मौका भी आया, लेकिन वह उसे धुना नहीं सके और बासिलाशविली ने पहला सेट 7-6 (6)

दूसरे सेट में मेदवेदेव ने पलट दिया मैच - पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने अपने खेल में जबरदस्त सुधार किया। उनकी निरंतरता, मजबूत डिफेंस और सटीक शॉट्स के सामने बासिलाशविली की चुनौती कमजोर पड़ने लगी। मेदवेदेव ने दूसरे सेट में पूरी तरह दबदबा बनाते हुए इसे 6-1 से जीत लिया और मुकाबले में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली।

निर्णायक सेट जीतकर बचाया अल्माटी ओपन का खिताब - तीसरे सेट में भी मेदवेदेव ने अपनी लय बरकरार रखी और बासिलाशविली को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने निर्णायक सेट 6-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। एक घंटे 53 मिनट तक चले इस फाइनल में मेदवेदेव की सर्विस भी बेहद प्रभावी रही। वह पूरे मुकाबले में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं गंवाने में सफल रहे और पहली सर्विस पर 78 प्रतिशत अंक हासिल किए।

करियर का 25वां और सीजन का चौथा खिताब - अल्माटी ओपन की जीत मेदवेदेव के करियर का 25वां ब्रुक ट्रू खिताब है, जबकि 2026 सीजन में यह उनकी चौथी ट्रॉफी रही। इससे पहले वह ब्रिस्बेन, दुबई और चेंगदू में भी खिताब जीत चुके हैं। इस सीजन में उनसे ज्यादा ATP ट्रू खिताब केवल इटली के यानिक सिनर ने जीते हैं, जिनके नाम छह ट्रॉफियां हैं।

अब वियना टूर्नामेंट में खेलेंगे मेदवेदेव - अल्माटी में खिताब जीतने के बाद मेदवेदेव अब वियना में होने वाले ब्रुक 500 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुब्लिक के चोट के कारण मुकाबले से हटने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी। बुब्लिक पहला सेट 3-6 से हारने के बाद मैच से हट गए थे।

रणजी ट्रॉफी सारांश जैन ने झटके 7 विकेट, मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार 99 रन पर आउट

नई दिल्ली, एजेसी। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के तीसरे चरण में मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार की टीम पहले दिन सोमवार (26 अक्टूबर) को पहले ही सत्र में ऑलआउट हो गई। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार की टीम सिर्फ 99 रन बना पाई। मध्य प्रदेश के लिए ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने 7 विकेट झटके। बिहार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उसका यह फैसला गलत साबित हुआ। टीम के केवल दो बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। बिहार के लिए सबसे ज्यादा रन ओपनर मंगल महारौर ने बनाए। उन्होंने 87 गेंद पर 5 चौके की मदद से 42 रन बनाए।

साबिकबुल गनी भी फेल - मंगल के साथी ओपनर नमन गौरव बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। श्रमण निग्रोध भी खाता नहीं खोल पाए।



आयुष लोहारका 1, कप्तान साबिकबुल गनी 2, आकाश राज बगैर खाता खोले, राघवेंद्र प्रताप सिंह 8, आदित्य राज 4, सूरज कश्यप 15 और हिमांशु 3 रन बनाकर आउट हुए। अमोद यादव 2 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के लिए सारांश जैन ने 13 ओवर में 40 रन देकर 7 विकेट लिए। आवेश खान ने 2 और कुमार कार्तिकेय ने 1 विकेट लिए।

अनौपचारिक टेस्ट पडिक्कल-सुदर्शन और यश की दमदार पारियों ने कराई वापसी

● भारत ए के नाम रहा तीसरा दिन



नई दिल्ली, एजेसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेले जा रहे अनौपचारिक टेस्ट मैच का तीसरा दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। बर्ट सर्टविल्फ ओवल के मैदान पर दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने शानदार वापसी करते हुए दूसरी पारी में 8 विकेट खोकर 488 रन बना लिए हैं। टेस्ट के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी रही। देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने अपनी 96 रनों की साझेदारी को आगे बढ़ाया और भारतीय टीम को 200 रनों का आंकड़ा पार कराया। सुदर्शन अपने शतक से चूक गए और 184 गेंदों में 91 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 12 चौके लगाए। हालांकि, ध्रुव जुरेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 2 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पडिक्कल और यश राठौड़ ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 142 रनों की अहम साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 248 गेंदों में 199 रनों की यादगार पारी खेली। हालांकि, वह अपने दोहरे शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। पडिक्कल जैक गिब्सन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए। मगर वह अंपायर के फैसले से नाखुश दिखाई दिए। भारतीय बल्लेबाज ने अपनी इस पारी में 24 चौके और 3 छक्के लगाए। यश ने 72 गेंदों का सामना करते हुए 66 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। यश ने अपनी पारी में कुल 8 चौके लगाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और अंशुल कंबोज ने भी मिलकर 41 रनों की अहम पार्टनरशिप की। अंशुल 36 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। कंबोज के आउट होने के बाद वॉशिंगटन को आकिब नबी के रूप में एक और जोड़ीदार मिला और दोनों ने मिलकर 106 गेंदों में 69 रन जोड़े। आकिब ने 63 गेंदों में 38 रन बनाए। वहीं, सुंदर दिन का खेल खत्म होने तक अपना अर्धशतक पूरा कर 51 रन बनाकर क्रीज पर उठे हुए हैं। वह अपनी इस पारी में अब तक 6 चौके लगा चुके हैं। सुंदर का साथ आकाशदीप बिना खाता खोले निभा रहे हैं। भारत की कुल बढ़त 284 रनों की हो चुकी है और टीम के अभी 2 विकेट शेष हैं। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में जैक गिब्सन और क्रिस्टियन क्लार्क ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने एक विकेट झटका।

100 गोल पूरे करने पर बोले एमबाप्पे

यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं

इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया।

एमबाप्पे ने सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया

उन्होंने आगे कहा, 'इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया। '2024/25 सीजन में अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप फाइनल में रियल मैड्रिड के लिए अपना पहला गोल करने के बाद से एमबाप्पे ने 2024/25 का 'गोल्डन बूट' और दो 'पिचिची ट्रॉफियां' (2024/25 और 2025/26) जीती हैं। इसके अलावा, वह पिछली चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी (टॉप स्कोरर) भी रहे थे।



साथ अपने पहले सीजन में 44 गोल किए, पिछले सीजन में 42 गोल किए, और इस सीजन में अब तक 14 गोल कर चुके हैं। एमबाप्पे ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूँ। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की मदद करना पसंद है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह बस एक छोटी सी बात है, क्योंकि सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।' 2025 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल करने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

उन्होंने 59 गोल किए। इसके अलावा, पिछले विश्व कप के दौरान फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हुए एमबाप्पे 22 गोल के साथ इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने।



एक मैच क्या जीत गए पूरा देश होश खो बैठा

शहबाज शरीफ ने किया लंबा-चौड़ा पोस्ट, फैस बोले- वर्ल्ड कप नहीं जीते हो शर्म करो

नई दिल्ली, एजेसी। ट्वार्ड सीरीज के चौथे वनडे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की 1 विकेट से मिली रोमांचक और अकल्पनीय जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 154 रन पर 9 विकेट गंवाने के बाद ऑलराउंडर शादाब खान (113) और हारिस रऊफ की रिकॉर्ड 89 रनों की साझेदारी ने पाकिस्तान को हार के मूंह से निकालकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।



शहबाज शरीफ ने की तारीफ

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खिलाड़ियों के साथ-साथ पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी की तारीफ करते हुए लिखा, 'बहुत बढ़िया, टीम पाकिस्तान! शाबाश! लाहौर में इंग्लैंड पर शानदार जीत के लिए हमारे लड़कों को हार्दिक बधाई। हर रन, हर विकेट और हर कैच ने उस धैर्य, अनुशासन और जुझारूपन को दर्शाया जो पाकिस्तान की पहचान है। शादाब और हारिस के बीच आखिरी विकेट की साझेदारी ने मैच का रुख पलट दिया।'

कहा- वेल डन बॉयज

उन्होंने आगे लिखा, 'शादाब का शतक शानदार था। वेल डन बॉयज! आज रात लाहौर की जनता की गर्जना पूरे देश की आवाज थी। आपने करोड़ों दिलों को गर्व और खुशी से भर दिया है। मैं पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत करने और हमारे घरेलू मैदान को विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का गौरवशाली मेजबान बनाने के उनके अथक प्रयासों के लिए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और उनकी पूरी टीम की भी सराहना करता हूँ।'



नई दिल्ली, एजेसी। टेस्ट क्रिकेट इतिहास के महानतम तेज गेंदबाजों में शामिल जेम्स एंडरसन का लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ सफर समाप्त हो गया है। क्लब ने 2027 सीजन के लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। एंडरसन 2002 में क्लब का हिस्सा बने थे।

जेम्स एंडरसन अलग होने से खुश नहीं

44 साल के जेम्स एंडरसन ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसके बाद काउंटी में लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। इस दौरान उन्होंने टीम की कप्तानी भी की। जेम्स एंडरसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं बचपन से लंकाशायर का सपोर्टर करता आया हूँ। इसलिए 25 साल तक इस टीम के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा था। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलने के लिए मैदान पर उतरना मेरे लिए हमेशा से ही बहुत खास रहा है।

चोटिल ईशान किशन तीसरे टी20 मैच से हुए बाहर

● भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है

नई दिल्ली, एजेसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से बाहर हो गए हैं क्योंकि वे दाहिनी मांसपेशी में खिंचाव से उबर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को पुष्टि की कि किशन तेजी से ठीक हो रहे हैं, लेकिन 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में होने वाले मैच से पहले उन्हें अभी भी मैच फिटनेस हासिल करनी बाकी है। किशन को पिछले सप्ताह पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान



मामूली मोच आ गई थी। वह दूसरा मैच भी नहीं खेल पाए, और उनकी अनुपस्थिति में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की प्रगति पर नजर रख रही है,' और साथ ही यह भी कहा कि अनकैड विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्रा तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टीम का हिस्सा बने रहेंगे। किशन की अनुपस्थिति का मतलब है कि भारत को इस बल्लेबाज के बल्लेबाज के पूरी तरह फिट होने का इंतजार करना होगा, क्योंकि टीम प्रबंधन ने उन्हें जल्दबाजी में मैदान में उतारने का फैसला नहीं किया है। दाहिनी मांसपेशी का अंदरूनी मांसपेशियों में खिंचाव से खिलाड़ी की गति और विकेटों के बीच दौड़ने में बाधा आ सकती है।

ईशान की सेहत में सुधार?

भारत के गेंदबाजी कोच मोनो मोर्कल ने कहा कि एहतियात के तौर पर किशन तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के अपडेट में यह भी बताया गया कि विकेटकीपर-बल्लेबाज की हालत में सुधार हो रहा है, हालांकि अभी तक वह मैच के लिए आवश्यक फिटनेस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं। किशन के चोटिल होने के बाद कुशाग्रा को बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया था और वह मंगलवार के मैच में भी टीम के साथ रहेंगे। वहीं, दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सूर्यवंशी ने किशन की जगह ली। भारत वेलिंगटन में सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत 2-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। वेलिंगटन में जीत से मेहमान टीम को अजेय बढ़त मिल जाएगी और दो मैच शेष रहते ही सीरीज अपने नाम कर लेगी। किशन की अनुपलब्धता को देखते हुए, संजय सैमसन से विकेटकीपिंग की भूमिका जारी रखने की उम्मीद है, जबकि वैभव सूर्यवंशी को शीर्ष क्रम में एक और मौका मिलने की संभावना है।